■ चैत्र शुक्ल - 14 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 264 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 22-04-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मैं यहां राजनीति में बने रहने, लोगों से जुड़े रहने के लिए आया हूं : यूसुफ पठान

6 विश्व पुस्तक दिवस विशेष : सबसे अच्छी दोस्त की पहचान ही नहीं

7 'कल्कि 2898 एडी' के नये पोस्टर में अमिताभ बच्चन का लुक रिलीज

फर्स्ट टेक

अवैध रूप से नकदी ले जाने पर भाजपा नेता, दो अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

बेंगलूरु/भाषा। कार में अवैध रूप से दो करोड़ रुपये नकदी ले जाने के आरोप में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यालय सचिव लोकेश अंबेकल्लू और दो अन्य के खिलाफ रविवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मामला शनिवार को तब सामने आया जब चामराजपेट की स्टेटिक सर्विलांस टीम (एसएसटी) ने शाम करीब चार बजे दो करोड़ रुपये की नकदी ले जा रही एक कार को रोका और आयकर विभाग के अधिकारियों को सूचित किया। अधिकारियों ने बताया कि मामले में निर्वाचन आयोग के निर्देशों का उल्लंघन हुआ और प्राप्तकर्ता की सूची पेश नहीं की गई। उन्होंने बताया कि धन का इस्तेमाल चुनाव में प्रलोभन के लिए किया जा सकता है, इस संदेह के आधार पर जन प्रतिनिधित्व अधिनियम और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की प्रासंगिक धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई।

सूरत लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार कुंभाणी का नामांकन पत्र खारिज

सूरत (गुजरात)/भाषा। सूरत लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार नीलेश कुंभाणी का नामांकन पत्र रविवार को खारिज कर दिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रथम दृष्टया प्रस्तावकों के हस्ताक्षर में विसंगतियां पाईं। सूरत से कांग्रेस के वैकल्पिक उम्मीदवार सुरेश पडसाला का नामांकन पत्र भी अमान्य करार दिया गया, जिससे विपक्षी पार्टी इस निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव मैदान से बाहर हो गई। निर्वाचन अधिकारी सौरभ पारधी ने अपने आदेश में कहा कि कुंभाणी और पडसाला द्वारा सौंपे गए चार नामांकन फॉर्म को प्रस्तावकों के हस्ताक्षरों में प्रथम दृष्टया विसंगतियां पाए जाने के बाद खारिज कर दिया गया।

शराब 'घोटाला' मामले में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी टुटेजा गिरफ्तार

रायपुर/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राज्य में 2,000 करोड़ रुपए के कथित शराब घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में छत्तीसगढ़ के सेवानिवृत्त आईएएस (भारतीय प्रशासनिक सेवा) अधिकारी अनिल टुटेजा को गिरफ्तार कर लिया है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। संघीय एजेंसी ने 2003 बैच के अधिकारी को शनिवार को रायपुर स्थित आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू)/भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के कार्यालय से हिरासत में लिया, जहां वह और उनके बेटे यश टुटेजा इसी मामले में अपना बयान दर्ज कराने पहुंचे थे।

22-04-2024 सूर्यास्त	23-04-2024 सूर्योदय
6:02 बजे	6:33 बजे

BSE	NSE
73,088.33	22,147.00
(+599.34)	(+151.15)

सोना	चांदी
7,644 रु.	86,016 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

घायल लोकतंत्र

है विकास के मुद्दे गायब,
हुई सियासत जाति धर्म की।
सब दल थौंप रहे प्रत्याशी,
फिक्र नहीं अब श्रेष्ठ कर्म की।
अमर्यादित बोल रहे सब,
लुटिया डूबी लाज शर्म की।
नेताओं को नहीं है चिंता,
घायल होते लोक मर्म की।।

कठिन समय में तीर्थंकरों की शिक्षा और अधिक प्रासंगिक : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में छिड़े युद्ध के समय तीर्थंकरों की शिक्षाएं और भी प्रासंगिक हो गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत विभाजित दुनिया में 'विश्व-बंधु' के रूप में अपनी जगह बना रहा है। मोदी ने यहां भगवान महावीर के 2,550वें निर्वाण महोत्सव के अवसर पर कहा कि भारत दुनिया के सामने मौजूद समस्याओं के समाधान के तौर पर सच्चाई एवं अहिंसा के मंत्रों को आत्मविश्वास के साथ पेश कर रहा है और उसकी सांस्कृतिक छवि भी इसमें अहम भूमिका निभा रही है।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर एक स्मृति डाक टिकट और एक सिक्का भी जारी किया और जैन समुदाय को उनके आशीर्वाद के लिए धन्यवाद दिया।

पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार पर कटाक्ष करते हुए मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने 2014 में सत्ता में आने पर ऐसे समय में विरासत के साथ-साथ भौतिक विकास को बढ़ावा देने पर

जोर दिया जब देश निराशा में डूबा हुआ था।

मोदी ने अपनी सरकार द्वारा योग और आयुर्वेद जैसी भारतीय विरासत को बढ़ावा दिए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि देश की नई पीढ़ी अब मानती है कि स्वाभिमान ही उसकी पहचान है।

स्कूली बच्चों द्वारा भगवान महावीर पर प्रस्तुत नृत्य नाटिका 'वर्तमान में वर्धमान' का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान महावीर के मूल्यों के प्रति युवाओं का

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर एक स्मृति डाक टिकट और एक सिक्का भी जारी किया और जैन समुदाय को उनके आशीर्वाद के लिए धन्यवाद दिया।

समर्पण और प्रतिबद्धता देश के सही दिशा में आगे बढ़ने का संकेत है।

मोदी ने जैन समुदाय के संतों को नमन किया और महावीर जयंती के अवसर पर सभी नागरिकों को शुभकामनाएं दीं।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वैश्विक संघर्षों के समय में तीर्थंकरों, श्रद्धेय आध्यात्मिक जैन गुरुओं की शिक्षाएं और भी अधिक प्रासंगिक हो गई हैं। मोदी ने अनेकांतवाद और स्यादवाद जैसे दर्शनों को याद किया जो लोगों को सभी पहलुओं को देखना और दूसरों के विचारों को भी स्वीकारना सिखाते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज संघर्षों में फंसी दुनिया भारत से शांति की अपेक्षा कर रही है। उन्होंने कहा कि नए भारत के इस नई भूमिका का श्रेय देश के बढ़ते सामर्थ्य और विदेश नीति को दिया जा रहा है। लेकिन इसमें भारत की सांस्कृतिक छवि का बहुत बड़ा योगदान है। मोदी ने कहा, आज भारत इस भूमिका में आया है, क्योंकि आज हम सत्य और अहिंसा जैसे व्रतों को वैश्विक मंचों पर पूरे आत्मविश्वास से रखते हैं। हम दुनिया को बताते हैं कि वैश्विक संकट और संघर्षों का समाधान भारत की प्राचीन संस्कृति और प्राचीन परंपरा में है। इसीलिए, आज विभाजित दुनिया में भारत विश्व-बंधु के रूप में अपनी जगह बना रहा है।

'मोदी सरकार' फिर से सत्ता में आयी तो लोकतंत्र खत्म हो जाएगा : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सतना (मप्र)/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को दावा किया कि यदि ''मोदी-शाह सरकार'' फिर से सत्ता में आयी, तो देश में लोकतंत्र खत्म हो जाएगा और उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर झूठ बोलने का भी आरोप लगाया।

खरगे ने मध्य प्रदेश के सतना में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधा और दावा किया कि वे संविधान को भी खत्म

कर देंगे। उन्होंने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा, ''वे बाबासाहेब भीम राव आंबेडकर द्वारा लिखे गए संविधान को खत्म कर देंगे। यदि आप इसे (संविधान को) तथा महिलाओं, मजदूरों और किसानों के वोट देने का अधिकार बरकरार रखना चाहते हैं, तो कांग्रेस और उसके 'पंजा' (हाथ) चुनाव चिह्न को वोट दें।''

भाजपा विपक्ष के इन आरोपों को खारिज करती रही है कि केंद्र में तीसरी बार चुने जाने पर वह संविधान में छेड़छाड़ करेगी। कांग्रेस के एक नेता ने पहले कहा था कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के सतना में रैली को संबोधित करने का कार्यक्रम था, लेकिन उनकी तबीयत खराब हो जाने के कारण उनका दौरा रद्द कर दिया गया। उन्होंने कहा था कि गांधी की जगह खरगे रैली को संबोधित करेंगे। बाद में, खरगे ने कहा कि गांधी 'फूड पॉइजनिंग' से पीड़ित हैं।

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में, 26 अप्रैल को सतना सीट पर मतदान होना है।

जैन युवा संगठन (पंजि.)
जैन युवा संगठन सेवा ट्रस्ट (पंजि.)

Sankalp Bussiness Bay, Shop No. 320, 3rd floor Railway Compound opp ETA Gardens, Magadi Road, Bengaluru - 560023 Ph : 98452 19483, 94487 97287

हार्दिक आभार

बेंगलोर में उपस्थित सभी आचार्यवृन्द, साधुगण, साध्वीगण एवं समणी वृन्द के चरणों में कोटिश वन्दन। श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2623 वे जन्म कल्याणक महोत्सव 21 अप्रैल 2024 को कुण्डलपुर नगरी में सानन्द संपन्न हुआ। इस विशाल आयोजन को सफल बनाने हेतु समस्त जैन समाज, वर्धमान प्रसादी के लाभार्थी, विशेष सहयोगी, दानदाता, सहयोगी संघ-संस्थाएँ, मंडल, सेवा ट्रस्ट के भामाशाह-दानवीर-सेवा शिरोमणी, बेंगलोर के प्रमुख पत्रकार, मीडिया एवं समस्त समाचार पत्र-पत्रिकाओं एवं अन्य महानुभावों ने प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रुप से जो भी सहयोग जैन युवा संगठन को प्रदान किया, इस हेतु संगठन आप सभी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है। आप सभी के सहयोग से ही यह आयोजन अत्यन्त सफल रहा।

भविष्य में भी आपका सान्निध्य, सहयोग एवं मार्गदर्शन हमें इसी प्रकार मिलता रहेगा, इसी आशा एवं विश्वास के साथ आपके अपने

जैन महेंद्र बागरेचा	जैन महावीर मुणोत	जैन मदन मुणोत	जैन विशाल गुगलिया	जैन मुकेश सुराणा
अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	मंत्री	सहमंत्री	कोषाध्यक्ष

कार्यकारिणी समिति सदस्य, चेयरमेन एवं समस्त सदस्यगण

इस आयोजन में संगठन के सदस्यों की ओर से जाने-अनजाने में कोई कष्ट पहुँचा हो तो हम हार्दिक क्षमाप्रार्थी है।

'इंडि' गठबंधन के नेता या तो जेल में हैं या जमानत पर हैं : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुबली (कर्नाटक)/भाषा। विपक्षी गठबंधन 'इंडि' के दलों पर वंशवादी राजनीति का आरोप लगाते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने रविवार को दावा किया कि 'घमंडिया' दलों के सदस्य या तो जमानत पर हैं या जेल में हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई एक पार्टी है जो लोकतंत्र का सम्मान करती है, तो वह भाजपा है क्योंकि यह आम लोगों को आगे बढ़ने और नेता बनने का मौका देती है।

नड्डा ने यहां विभिन्न समुदायों के नेताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''एक तरफ, 'इंडि' के नाम पर 'घमंडिया' गठबंधन है और दूसरी तरफ, एक लोकतांत्रिक भाजपा है जो सामान्य परिवारों के लोगों को आगे बढ़ने और नेता बनने का मौका देती है।''

भाजपा ने विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडि' का मजाक उड़ाने के लिए 'घमंडिया' शब्द गढ़ा है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि फारूक अब्दुल्ला-उमर अब्दुल्ला, मुफ्ती मोहम्मद सईद-महबूबा मुफ्ती, प्रकाश बादल-सुखबीर बादल, चौटाला परिवार, मुलायम-अखिलेश-डिंपल यादव परिवार, लालू-राबड़ी-तेजस्वी-तेजप्रताप यादव परिवार, ममता बनर्जी-अभिषेक, केसीआर-केटीआर-कविता, करुणानिधि-स्टालिन-उदयनिधि, शरद पवार-सुप्रिया सुले और उद्धव ठाकरे-आदित्य ठाकरे की पार्टियां 'वंशवादी दल' हैं। नड्डा ने पूछा, ''क्या सोनिया-राहुल-प्रियंका वंशवादी राजनीति का रूप नहीं हैं?'' उन्होंने कहा कि 'इंडि' गठबंधन के अधिकांश सदस्य या तो जमानत पर हैं या जेल में हैं, जिनमें दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येन्द्र जैन शामिल हैं।

नेहा हिरेमथ हत्या मामला

नड्डा ने सिद्दरामैया पर मामला 'कमजोर' करने का आरोप लगाया

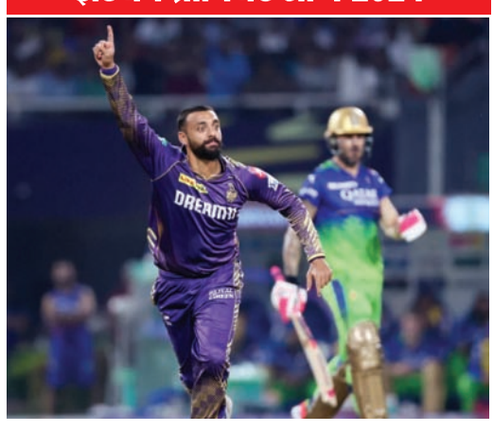

हुबली (कर्नाटक)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने 23-वर्षीया कॉलेज छात्रा नेहा हिरेमथ की हत्या मामले की रविवार को सीबीआई जांच की मांग की। भाजपा अध्यक्ष ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और राज्य के गृहमंत्री जी. परमेश्वर पर नेहा की हत्या की जांच को ''प्रभावित और कमजोर करने'' का आरोप भी लगाया।

नड्डा ने नेहा हिरेमथ के घर का दौरा किया और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। बाद में भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पीड़िता को न्याय मिले इसके लिए अगर मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की जरूरत पड़ी तो भाजपा सहयोग करेगी।

आरसीबी पर केकेआर की जीत

इंडियन प्रीमियर लीग 2024

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। फिल सॉल्ट और कप्तान श्रेयस अय्यर की शानदार बल्लेबाजी के बाद आंद्रे रसेल (25 रन देकर तीन विकेट) की अगुवाई में दबाव में गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से कोलकाता नाइट राइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के रोमांचक मुकाबले में रविवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को एक रन से शिकस्त दी।

सॉल्ट ने 14 गेंद में सात चौके और तीन छक्के की मदद से 48 रन बनाए तो वहीं अय्यर ने 36 गेंद में 50 रन की पारी के दौरान सात चौके और एक छक्का लगाया जिससे केकेआर ने सात विकेट पर 222 रन बनाए। आरसीबी की पारी मैच के आखिरी गेंद पर 221 रन पर सिमट गई।

विल जैक्स (32 गेंद में 55 रन) और रजत पाटीदार (23 गेंद में 52 रन) की अर्धशतकीय पारियों और दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए

48 गेंद में 102 रन की साझेदारी के दम पर आरसीबी ने पलटवार किया था लेकिन टीम ने 12वें और 13वें ओवर के अंदर चार विकेट गंवा दिए।

आखिरी ओवर में आरसीबी को जीत के लिए दो विकेट रहते 21 रन की जरूरत थी और कर्ण शर्मा ने मिचेल स्टार्क की शुरुआती चार गेंद पर तीन छक्के लगाकर रोमांच बढ़ा दिया। वह पांचवीं गेंद पर गेंदबाज को कैच देकर आउट हुए और आखिरी गेंद पर लॉकी फर्ग्यूसन दूसरा रन चुराने की कोशिश में रन आउट हो गए जिससे टीम लक्ष्य के करीब पहुंच कर चूक गई।

केकेआर के लिए आंद्रे रसेल ने 25 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि सुनील नारायण और हर्षित राणा को दो-दो सफलता मिली। वरुण चक्रवर्ती और स्टार्क ने एक-एक विकेट चटकाए। मौजूदा आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी स्टार्क ने अपने तीन ओवर में 55 रन लुटाए।

|| श्रीराम जय राम जय जय राम ||

आप सभी भक्तगण सपरिवार सादर आमंत्रित हैं

श्री हनुमान जन्मोत्सव

मंगलवार, 23 अप्रैल 2024

GODWAD BHAWAN

Behind Poornima Theater, Near Jain College
Lalbagh Road Cross, Bangalore

श्री हरिकिशनजी सारड़ा, बेंगलूरु

अपराह्न 3.00 बजे : संगीतमय सुन्दरकांड पाठ
(जसवंतगढ़ नागरिक परिषद, बेंगलूरु के श्री हरिकिशनजी सारड़ा द्वारा)
सायं 6.00 बजे : भजन श्री मनीषजी भट्ट
रात्रि 9.30 बजे : मंगल आरती एवं महाप्रसाद
विशेष आकर्षण - श्री हनुमानजी महाराज की मनमोहक झांकी

श्री मनीषजी भट्ट, मुम्बई

सहयोगी संस्थाएं अग्रवाल समाज || माहेश्वरी सभा || स्वास्तिक सेवा संघ || श्याम मंदिर ट्रस्ट || गोपीकृष्ण संकीर्तन मंडल || राधिका मंडल || आरएलवी भक्त मंडल || गुर्जर गौड़ समाज || सौरभ सांस्कृतिक संस्थान || श्याम दीवाने || आपणो परिवार || जसवंतगढ़ नागरिक परिषद || विप्र फाउण्डेशन जोन 18 || गौड़ ब्राह्मण संघ || मारवाड़ी युवा मंच || नोखा नागरिक परिषद || खांडल विप्र शाखा सभा || श्री बालाजी सेवा समिति

कमेटी मेम्बर

R.L. Bhutra 98450 54812	Sandeep Agrawal 98450 57375	Suresh Jain 98863 25290	Vinay Tibrewal 98450 35494
Shreekant Parashar 99454 88004	Sushil Tibrewal 99640 41609	T.C. Goyal 93437 72707	R.M. Jhawar 93419 44979
L.N. Daga 98440 99309	Praveen Rungta 98867 84395	Sajjan Sharma 93416 25136	Kamlesh Didwaniya 94484 72429
	Pawan Rungta 9845032110	Omprakash Mantri 9845300123	Madan Maheshwari 99005 72110

अमृततुल्य रोगनाशक महाप्रसाद की व्यवस्था रखी गई है, कृपया अवश्य ग्रहण करें।

आयोजक एवं निवेदक
श्री हनुमान सेवा समिति, बेंगलूरु

शुभकामनाओं सहित
पवन आशीष रुंगटा

GOLDEN MILE RESORT, HOSUR
Contact: ASHISH : 98860 80699
Email: Aashish.rungta@gmail.com

GOLDEN MILE

वंशवादी राजनीति को बचाने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं विपक्षी दल : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने रविवार को विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए दावा किया कि ये पार्टियां अपनी वंशवादी राजनीति को बचाने की पुरजोर कोशिश कर रही हैं।

नड्डा ने महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने पिछले 10 वर्षों में एक स्थिर सरकार दी है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ''तीन तलाक'' और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान किया गया। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले राजनीतिक दल अपने घोषणा पत्र में बड़े-बड़े दावे करते थे और सत्ता में आने के बाद उन्हें पूरा करना भूल जाते थे।

नड्डा ने कहा, देश में विपक्षी दल अब अपनी वंशवादी राजनीति को बचाने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं, चाहे वह शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा (एसपी) हो या फिर उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना (यूबीटी)। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने पिछले 10 वर्षों में एक स्थिर सरकार दी है, जिससे तीन तलाक और राम मंदिर निर्माण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों का हल करने में मदद मिली।

उन्होंने कहा, हमने बेघर लोगों को हजारों आवास उपलब्ध कराए और विभिन्न सरकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाया, जिससे ग्रामीण लोगों का जीवन स्तर बेहतर हुआ।

नड्डा ने कहा कि भाजपा नीत सरकार नागरिकता (संशोधन) अधिनियम लाई, जो उत्पीड़ित हिंदुओं, पारसियों और ईसाइयों (पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत आए) को भारतीय नागरिकता प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने उनकी मदद के लिए कभी ऐसे कदम नहीं उठाए।

नड्डा ने कहा, मोदी के सत्ता में आने के बाद देश की राजनीति बदल गई और सरकार लोगों के प्रति अधिक जवाबदेह हो गई। एक तरह से सरकार अधिक जिम्मेदार हो गई है।

महाराष्ट्र में बुलढाणा और सात अन्य लोकसभा सीट पर 26 अप्रैल को मतदान होना है।

मोदी और राहुल गांधी केरल की प्रगति को झूठ से ढकने की कोशिश कर रहे : विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कासरगोड (केरल)/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला तेज करते हुए रविवार को आरोप लगाया कि वे राज्य में हुई प्रगति को ''झूठी बातों'' से ढकने की कोशिश कर रहे हैं।

विजयन ने यहां कांजनगाड़ में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दक्षिणी राज्य के बारे में बात करते समय मोदी और गांधी के सुर एक जैसे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, इस समय एक अजीब बात यह हो रही है कि प्रधानमंत्री और पूरे भारत में मुख्य विपक्षी दल के नेता एकजुट होकर राज्य (केरल) और इसकी प्रगति को झूठ से ढकने की कोशिश कर रहे हैं।

विजयन ने राज्य सरकार के खिलाफ मोदी की हालिया टिप्पणियों को लेकर उन पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने पिछले दिनों उल्लेख किया था कि बिहार की तरह केरल में भी भ्रष्टाचार होता है। उन्होंने कहा कि इस बयान के जरिए मोदी एक साथ दो राज्यों का अपमान कर रहे हैं। मोदी के आरोप को खारिज करते हुए वामपंथी नेता ने कहा कि यह सर्वविदित है कि केरल देश का सबसे कम भ्रष्ट राज्य है और 'सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज, ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल' और 'लोकल सर्किल्स' द्वारा भारत के संदर्भ में भ्रष्टाचार को लेकर किए गए हालिया सर्वेक्षण में इस बात को पहचाना गया। विजयन ने कहा, प्रधानमंत्री के पास कौन सी प्रामाणिक रिपोर्ट है, जिसके आधार पर उन्होंने केरल का अपमान किया?'' उन्होंने राज्यों को ''खराब वित्तीय आवंटन'' को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा कि वित्त आयोगों के माध्यम से धन का वितरण कोई दान नहीं है।

क्या कांग्रेस अपने झंडे से भगवा रंग हटाने की हिम्मत करेगी : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। दूरदर्शन न्यूज के 'लोगो' का रंग बदले जाने पर विपक्षी दलों की आपत्तियों के बीच, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को सवाल किया कि क्या कांग्रेस अपने झंडे से 'भगवा' रंग हटाने की हिम्मत करेगी। यादव ने एक बयान में कहा कि वामपंथी और विपक्षी दल यह नहीं समझते कि भगवा त्याग का प्रतीक है और सूर्य संस्कृति का वाहक है।

सार्वजनिक प्रसारक 'दूरदर्शन न्यूज' के 'लोगो' का रंग लाल से नारंगी (रंग) करने पर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। विपक्ष ने इसे ''पूरी तरह से अवैध'' बताया है। विपक्षी दलों के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए यादव ने कहा, कांग्रेस क्या चाहती है? वामपंथी और विपक्षी दल यह नहीं समझते कि भगवा हमारे त्याग और वैराग्य का प्रतीक है। अब अगर भगवा का इतना ही विरोध है तो क्या कांग्रेस अपने झंडे से यह रंग हटाने की हिम्मत करेगी? उन्होंने विपक्षी दलों पर संपूर्ण सनातन और हिंदू संस्कृति का अपमान करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'लोगो' के रंग में बदलाव को लेकर कांग्रेस और वामपंथियों के बयानों से हंसी आती है और गुस्सा भी आता है।

दक्षिण भारत का हिंदी दैनिक
दक्षिण भारत राष्ट्रमत का जन-जागरण प्रयास

लोकसभा चुनाव मतदान - 26.4.2024

जागरुक रहें, मतदान करें

हम सभी के अंदर कहीं न कहीं दुनिया को बदलने की शक्ति है। मतदान द्वारा हम उस समूह में अपनी आवाज़ जोड़ते हैं जो राय बनाता है और कार्यों का आधार बनता है। मतदान जितना बौद्धिक कार्य है उतना ही भावनात्मक भी है। हमारे राजनीतिक नेताओं को हमारी प्राथमिकताएँ तभी पता चलेंगी जब हम उन्हें बार-बार बताएंगे। मतदान स्वयं, देश व दुनिया के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की अभिव्यक्ति है। जागरूक होकर मतदाता करें मतदान। राजधर्म निर्वहन के लिए करें यह शुभदान। सब कामों को छोड़कर,करना है यह काम।

अशोक बांठिया
व्यवसायी, बेंगलूरु

जिंदा होने का प्रमाण है मतदान

मतदान एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जो एक लोकतांत्रिक समाज में नागरिकों के अधिकारों को सुनिश्चित करने में मदद करता है। इससे समाज में सक्रिय भागीदारी बढ़ती है और सरकार भी जनता की आवाज को सुनती है। मतदान हमारे लोकतंत्र के मूलभूत स्तंभों में से एक है और हमारे ज़िंदा होने का प्रमाण भी है। हर जीवित व्यक्ति को देश के हित में ऐसा निर्णय लेना चाहिए जिसका सीधा असर हमारे देश के स्वास्थ्य पर पड़ता है। मतदान तो वह दवा है जिससे नेता को ताकत और मतदाता को सम्मान मिलता है।

ललित जैन व्यवसायी, हुब्बल्ली

स्थाई सरकार बनाने के लिए करें वोट

लोकतंत्र में जनता जनार्दन होती हैं, सर्वोच्च होती है और मतदान द्वारा हमें अपनी सरकार चुनने का अधिकार मिलता है। यह हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य भी है। हम अपने देश की दशा और और दिशा को अपने मत से तय कर सकते हैं। चुनाव में प्रत्येक मत महत्वपूर्ण होता है। सामान्यतः शिक्षित और संपन्न वर्ग चुनाव के प्रति उदासीन रहता है कतई उचित नहीं है। कुकुरमुत्ते की तरह रोज उभरने वाले छोटे छोटे दल मजबूत ओर निर्णायक सरकार बनाने में बाधक होते हैं। इस लोकसभा चुनाव में हम ऐसी सरकार को चुनने के लिए मतदान करें जो भारत को शिखर पर ले जा सके।

अभयकुमार बांठिया
व्यवसायी, बेंगलूरु

मेरा मत ही मेरा धर्म है

मतदान करना हमारा अधिकार और जिम्मेदारी है। हमारा मत हमें देश के भविष्य का निर्माण करने में मदद करता है। मैं मानता हूं कि मेरा मत मेरा धर्म है और हम सभी को अपने मतदान को अपना धर्म मानते हुए मतदान करना चाहिए। यदि पांच वर्ष में कुछ घंटे का समय निकाल कर हम अपने पंसदीदा व योग्य नेता को चुनने में समय का उपयोग करें तो आगे के पांच वर्ष का समय सुखद और खुशहाल होगा। मैं भी चेन्नई से मैसूरु आकर मतदान कर रही हूँ, आप सभी से भी निवेदन है कि मतदान के दिन अपने मतदान केन्द्र जाकर योग्य व स्थाई सरकार के लिए अच्छे उम्मीदवार को वोट करें।

नेहा जैन गृहिणी, मैसूरु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
लोकतंत्र का सम्मान - अवश्य करें मतदान

समर्थ व सशक्त समाज के लिए मतदान

मतदान एक महत्वपूर्ण नागरिक कर्तव्य है जो हमारे सामाजिक जीवन का आधार बनाता है। यह न सिर्फ हमें राजनीतिक प्रक्रियाओं में भाग लेने का अवसर देता है, बल्कि हमारे समाज की दिशा निर्देशित करने में भी मदद करता है। इसके माध्यम से हम अपने विश्वास को व्यक्त कर सकते हैं और समाज को सुधारने का काम कर सकते हैं। जब हम मतदान करते हैं तो एक समर्थ और सशक्त समाज के निर्माण में सहायक होते हैं। इसके बिना एक समर्थ समाज का निर्माण संभव नहीं होता।

प्रवीण चौधरी
जीतो मुख्य सचिव, हुब्बल्ली

उज्ज्वल भविष्य के लिए करें वोट

यह चुनाव सिर्फ एक आम चुनाव नहीं अपितु हर भारतीय की नैतिक जिम्मेदारी और संपूर्ण विश्व के समक्ष हमारे देश की अमिट और अतुल्य छवि को कायम रखने का मौका है। यह चुनाव हमारे देश को हर क्षेत्र में सक्षम, वर्तमान को सुनहरे भविष्य में ले जाने का एक सुअवसर है। आइए हम सब भारतीय नैतिक जिम्मेदारी का निर्वाह कर अपनी मातृभूमि के प्रति अपना फर्ज अदा करें। आइए हम सब यह बात नोट करें, सब भारतीय मिलकर वोट करें, लोकतंत्र के पर्व को सपोर्ट करें, मतदान केंद्र जाकर रिपोर्ट करें।

प्रकाश गौड़
सामाजिक कार्यकर्ता, बेंगलूरु

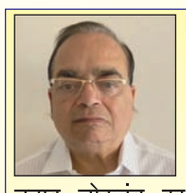

तकदीर वाले करते हैं मतदान

चुनाव लोकतंत्र का पर्व है, इसको उत्साह के साथ मनाएं, घर से बाहर निकलकर वोट दें। अपने सब रिश्तेदारों, जानने वालों को भी वोट देने के लिए उनकी जिम्मेदारी का एहसास करवाएं। मतदान का मौका पांच वर्ष में एक बार मिलता है जिसे हमें व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। अच्छी सरकार बनाना हम सब का दायित्व बनता है, अच्छे लोगों को संसद भेजना हमारा अधिकार बनता है। जिन देशों में लोकतंत्र नहीं, वहां के लोग वोट देने के लिए तड़पते हैं। हम भारतीय तो तकदीर वाले हैं जिन्हें अपने मत का इस्तेमाल करने का सहज मौका मिल रहा है।

बाबूलाल पोरवाल
वरिष्ठ समाजसेवी, बेंगलूरु

अपना अमूल्य वोट जरुर दें

लोकतंत्र के इस पर्व में सभी से अनुरोध है कि आप अपना अमूल्य वोट जरूर दें। आप अपनी समझ का उपयोग करते हुए ऐसे उम्मीदवार का चयन करें जो देश के विकास में अपना योगदान दे सके। मतदान देते हुए यह ध्यान रखें कि आपका एक वोट इस देश की दशा और दिशा को गति दे सकता है। यदि हम वोट नहीं करते हैं तो हमें सरकार से शिकायत करने का भी अधिकार नहीं है। मेरा सभी से निवेदन है कि आप वोट कर लोकतंत्र को मजबूत करें और ऐसी पार्टी और नेताओं का चयन करें जो पढ़े लिखे हों, भविष्य में आपकी मांगों को पूरा कर सकें।

डॉ. नरपत सोलंकी
नेत्र विशेषज्ञ, बेंगलूरु

- जनहित में जारी

कांग्रेस को नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ अपने गठबंधन पर पुनर्विचार करना चाहिए : मुफ्ती

कोकेरनाग (जम्मू कश्मीर)/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के नेता चौधरी मोहम्मद अकरम की एक हालिया टिप्पणी को ध्यान में रखते हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को नेकां को समर्थन देने पर पुनर्विचार करना चाहिए।

मुफ्ती ने अनंतनाग जिले के लारनू इलाके में चुनाव प्रचार के दौरान कहा, नेशनल कॉन्फ्रेंस में शामिल होते समय चौधरी अकरम ने कांग्रेस की तुलना भाजपा से की। उन्होंने बेहद तल्ख टिप्पणी की। कांग्रेस और भाजपा में कोई अंतर नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अकरम ने कांग्रेस का इस तरह वर्णन किया। मुफ्ती ने 80 के दशक में कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस के बीच गतिरोध का जिक्र करते हुए कहा, अकरम के पिता (चौधरी मोहम्मद असलम) कांग्रेस में थे। मुझे समझ नहीं आता कि कांग्रेस कार्यकर्ता नेशनल कॉन्फ्रेंस का समर्थन कैसे करेंगे।

विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के हल्लदकेरी स्थित स्थानक भवन में भगवान महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर आचार्यश्री रामेश के संयमी जीवन पर आधारित पुस्तक अभिरामम् का प्री-लॉच किया गया। इस अवसर पर साधुमार्गी जैन संघ के महामंत्री सुशील नंदावत, उपाध्यक्ष नेमीचंद श्रीमाल, कोषाध्यक्ष श्यामलाल गन्ना, समता युवा संघ के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अनिल पोरवाड, महिला मंडल अध्यक्षा उमा गन्ना,मंत्री ललिता गन्ना, युवा संघ अध्यक्ष दिलीप नंदावत,मंत्री रितेश भंसाली आदि सदस्य उपस्थित थे।

मानवसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भगवान महावीर जन्मकल्याणक के अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के सदस्यों ने नेहरुनगर स्थित दी कर्नाटक वेलफेयर एसोसिएशन फॉर ब्लाइंड आश्र में मिठाइयां, बिस्कुट व 3 वॉल फैन भेंट किए। परिषद के कमलेश चौरड़िया, राजेश देरासरिया, मुकेश नाहर, पंकज बोहरा एवं हरीश पोरवाड़, संयोजक मुकेशज भंडारी एवं विक्रम बोहरा ने सेवा प्रदान की।

महावीर जन्मकल्याणक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के राजाजीनगर शांतिनाथ दिगंबर चैतालय में भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव बड़े हर्षोल्लास से मनाया। इस मौके पर श्रीजी की शोभायात्रा, अभिषेक, शांतिधारा, पालना एवं अन्य धार्मिक आयोजन आयोजित किए गए।

पारणा महोत्सव की आमंत्रण पत्रिका का किया गया विमोचन

तुलसी चेतना केन्द्र पर 10 मई को होगा पारणा महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अक्षय तृतीया के अवसर पर 10 मई को गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी व शालिभद्रमुनिजी सहित अन्य 32 साध्वियों की निश्रा में मैसूरु रोड स्थित तुलसी चेतना केन्द्र पर पारणा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में वर्षीतप के 111 तपस्वियों द्वारा पारणा करने की संभावना है।

ज्ञातव्य है कि उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी गत 35 वर्षों से वर्षीतप कर रहे हैं। रविवार को नरेशमुनिजी व शालिभद्रमुनिजी निश्रा में वीवी पुरम स्थित बाबूलाल हीराचन्द लुंकड़ के निवास पर पारणा महोत्सव की आमंत्रण पत्रिका का विमोचन किया गया। इस मौके पर नरेशमुनिजी ने ट्रस्ट के कार्यों की सराहना करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। इस विमोचन कार्यक्रम में पारणा समिति के चेयरमैन व ट्रस्ट के अध्यक्ष नेमीचन्द सालेचा, महामंत्री महावीरचन्द मेहता,मंत्री प्रवीण नेतानी, संपतराज बागरेचा, डूँगरचन्द बाफ़ना, हुक्मीचंद संचेती, बाबूलाल लुंकड़ , मोतीलाल गुलेच्छा आदि उपस्थित थे।

उमर अब्दुल्ला ने पीडीपी पर जम्मू कश्मीर में भाजपा को लाभ पहुंचाने का लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने रविवार को महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) पर जम्मू कश्मीर में 'इंडिया' गठबंधन के खिलाफ चुनाव लड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया।

क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी होने के बावजूद, पीडीपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन में शामिल हुए थे, लेकिन उनके बीच सीट बंटवारे का समझौता नहीं हो सका। अब्दुल्ला ने कहा, ये वे (पीडीपी) हैं जो स्वार्थी हैं। उन्होंने इस (अनंतनाग-राजौरी) सीट को पाने के एकमात्र उद्देश्य से 'इंडिया' ब्लॉक के साथ गठबंधन किया था।

अब्दुल्ला ने महबूबा मुफ़्ती के पैतृक स्थान अनंतनाग जिले के बिजबेहरा में एक चुनावी रैली में कहा, इंडिया गठबंधन भाजपा से लड़ रहा है और 'इंडिया' गठबंधन यहां इस मंच पर है। जो लोग इस मंच पर नहीं हैं वे भाजपा को फायदा पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। यह एक सच्चाई है। उन्होंने कहा कि गठबंधन बनाने का उद्देश्य सांप्रदायिक ताकतों विशेषकर भाजपा का मुकाबला करना था। उन्होंने कहा, जम्मू कश्मीर में भी हम इसी उद्देश्य के साथ 'इंडिया' गठबंधन में शामिल हुए। उद्देश्य सीट या स्वयं का लाभ नहीं था। हम जम्मू कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के हितों को देख रहे थे।

अब्दुल्ला ने कहा, दुर्भाग्य से, विशेष रूप से इस लोकसभा क्षेत्र में, हमारा मुकाबला 'इंडिया' गठबंधन के एक अन्य सदस्य से है। अब हम पर स्वार्थी होने का आरोप लगाया जा रहा है। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती हर दिन अपने भाषण में यह कहती हैं कि नेशनल कान्फ्रेंस स्वार्थी तरीके से काम कर रही है। एक मिनट के लिए, मान लेते हैं कि हम स्वार्थी हैं।

मतदान जागरूकता को लेकर विंटेज कार एवं बाइक रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने रविवार को मतदाता जागरूकता कार और बाइक रैली का शुभारंभ किया। बाद में बोलते हुए राज्यपाल ने कहा, हम सभी जानते हैं कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए शासन हमारे लोकतंत्र की पहचान है। इस लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में मतदाताओं और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े संभ्रांत लोगों का महत्वपूर्ण योगदान है।

मतदान लोकतंत्र की शक्ति और लोकतंत्र के विश्वास की रक्षा करता है। मतदान से देश मजबूत होता है और लोकतंत्र मजबूत होता है। मतदान हमारा अधिकार और कर्तव्य है। भारत में 18 वर्ष से अधिक आयु वालों को मतदान का अधिकार दिया जाता है। उन्होंने कहा कि हमें इस अधिकार का शत-प्रतिशत उपयोग करना चाहिए। चुनाव में मतदान का मतलब गणतंत्र को मजबूत करना है। कुछ लोगों को इस बात का अंदाज़ा है कि अगर हम वोट नहीं देंगे तो क्या होगा. दरअसल, कई बार जीत या हार का फैसला सिर्फ एक वोट से हो जाता है. इसके कई उदाहरण हैं। इसलिए, सभी को मतदान करना चाहिए, उन्होंने आह्वान किया।

दिव्यांगों, बुजुर्गों और हर मतदाता के लिए मतदान को आसान बनाने के लिए चुनाव आयोग ने जरूरी कदम उठाए हैं। फिलहाल लोकसभा चुनाव चल रहे हैं। पहले चरण का मतदान हो चुका है। लोकतंत्र के हित में अधिक से अधिक मतदान करना जरूरी है। मेरा सभी मतदाताओं से अनुरोध है कि लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतदान कर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

विंटेज कार और बाइक रैली राजभवन से शुरू होकर इन्फैंट्री रोड, सीटीओ सर्कल, क्रीस सर्कल, अनिल कुंबले सर्कल, कावेरी एम्पोरियम, ट्रिनिटी सर्कल, सिद्धलिंगैया सर्कल से होते हुए कंटीरवा स्टेडियम के पास समाप्त हुई।

इस मौके पर मुख्य सचिव रजनीश गोयल, मुख्य रिटर्निंग अधिकारी मनोज कुमार मीना, जिला रिटर्निंग अधिकारी और मुख्य आयुक्त तुषार गिरि नाथ, बेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त दयानंद, अतिरिक्त मुख्य रिटर्निंग अधिकारी कुर्मा राव, जिला स्वीप समिति के अध्यक्ष कांतराज, जिला स्वीप समिति अध्यक्ष प्रतिभा एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

शोभा करंदलाजे क्या अपनी सीट आसानी से निकाल लेंगी ?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। लोकसभा चुनाव में केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे की सीट चिकमगलूर से बदलकर बेंगलूरु उत्तर लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाए जाने के बाद यह चर्चा है कि क्या यह सीट वे आसानी से निकाल लेंगी? उन पर इस निर्वाचन क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का सिलसिला बरकरार रखने का दबाव है। बेंगलूरु उत्तर सीट वर्ष 2004 से भाजपा का गढ़ है। वर्ष 2014 से मतदाता ''मोदी फैक्टर'' पर भरोसा कर रहे हैं और भाजपा का कोई भी उम्मीदवार हो, उसे जिताते रहे हैं। करंदलाजे का मुकाबला कांग्रेस उम्मीदवार पूर्व राज्यसभा सदस्य एम.वी. राजीव गौड़ा से है, जो उन्हें टक्कर देने की कोशिश कर रहे हैं। दोनों वोक्कलिगा समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। करंदलाजे उडुपी-चिकमगलूर से दो बार की सांसद हैं, लेकिन मोदी ने उनकी सीट बदल दी है। करंदलाजे लोगों के बीच जाकर उन्हें समझा रही हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत पिछले 10 वर्षों में किस तरह विकास पथ पर आगे बढ़ा है। वे मोदी की उपलब्धियों की जानकारी विस्तार से दे रही हैं।

कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री शोभा कहती हैं, ''यह भारत की संस्कृति और सनातन परंपराओं को बचाने के लिए चुनाव है।'' यह सर्व विदित है कि उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के सबसे वरिष्ठ नेता बी.एस. येडीयुरप्पा का मजबूत समर्थन एवं आशीर्वाद प्राप्त है। भाजपा वर्ष 2004 से इस सीट पर जीत हासिल करती आ रही है। इससे पहले यह 1952 से 2004 तक कांग्रेस का गढ़ रहा था। हालांकि, 1996-1998 के दौरान तत्कालीन जनता दल के के.सी. नारायणस्वामी यहां से सांसद रहे। पूर्व रेल मंत्री सी.के. जाफर शरीफ इस निर्वाचन क्षेत्र से सबसे लंबे समय तक सांसद रहे। उन्होंने 1977 से 1996 तक लगातार पांच बार चुनाव जीता और कुल सात बार इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। वर्ष 2004 के बाद से यहां से भाजपा के तीन सांसद रहे हैं, जिनमें कर्नाटक के पूर्व पुलिस महानिदेशक एच टी संगलियाना, दिवंगत डी.बी. चंद्र गौड़ा और पूर्व केंद्रीय मंत्री डी.वी. सदानंद गौड़ा शामिल हैं। इन सभी को ''बाहरी'' माना जाता रहा लेकिन इनको चाहने वालों ने विजयी बनाया। इसलिए अब यहां से करंदलाजे को जीत के लिए शायद अधिक संशय नहीं है, परंतु वे अपनी यरफ से मेहनत में कोई कमी नहीं छोड़ रही हैं। बेंगलूरु उत्तर में विधानसभा की कुल आठ सीटें हैं जिनमें से पांच का प्रतिनिधित्व भाजपा और शेष का कांग्रेस कर रही है। पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ रहे राजीव गौड़ा ने आरोप लगाया कि करंदलाजे को सांप्रदायिक रूप से 'विभाजनकारी' भाषण और ध्रुवीकरण के लिए जाना जाता है।

भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूरु के पूर्व प्रोफेसर गौड़ा कहते हैं कि लोग बेहतर जीवन जीना, आगे बढ़ना और समृद्ध होना चाहते हैं, लोग नहीं चाहते कि यह क्षेत्र सांप्रदायिक रूप से विभाजित हो जाए। उन्होंने दावा किया कि इस लोकसभा चुनाव में कर्नाटक में कोई मोदी लहर नहीं है लेकिन माहौल को देखकर कहा जा सकता है कि शोभा करंदलाजे को यह सीट मोदीमय माहौल कज चलते मिल ही जाएगी क्योंकि क्षेत्र में कांग्रेसी उम्मीदवार भी बिल्कुल नए हैं।

कर्नाटक और केरल की सीमा के पास नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर तलाशी अभियान शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उडुप्पी। केरल की सीमा से सटे कर्नाटक के इलाकों में और उसके आसपास संदिग्ध नक्सलियों के होने की सूचना पर पुलिस ने पड़ोसी इलाकों में तलाशी अभियान शुरू करने के साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव के लिए पर्याप्त इंतजाम किए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। कर्नाटक की 28 लोकसभा सीट के लिए मतदान दो चरणों में 26 अप्रैल और सात मई को होंगे।

उडुपी के पुलिस अधीक्षक अरुण के. ने पीटीआई-वीडियो' से कहा कि कुछ दिन पहले, कर्नाटक-केरल सीमा और उसके आसपास संदिग्ध नक्सली की मौजूदगी की सूचना मिली थी। उन्होंने कहा कि हालांकि, लगभग पांच-छह साल से कर्नाटक के इन इलाकों में नक्सली नजर नहीं आए थे।

उन्होंने कहा, हमने नक्सल विरोधी बल के साथ समन्वय किया है और पड़ोसी इलाकों में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। हमने संबंधित जिले में नक्सल रोधी दस्तों का गठन शुरू कर दिया है और किसी भी नक्सली गतिविधियों के बारे में स्थानीय लोग से जानकारी एकत्र करने का भी प्रयास कर रहे हैं।

अधिकारी ने कहा कि यह सुनिश्चित किया गया है कि नक्सल प्रभावित सभी मतदान केंद्रों पर मतदान वाले दिन केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को तैनात किया जाएगा। उन्होंने कहा, फिलहाल, हमें नहीं लगता कि किसी भी तरह की समस्या है, लेकिन हमने शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त इंतजाम किए हैं।

जागरुकता

बेंगलूरु में रविवार को बीबीएमपी द्वारा आयोजित मतदाता जागरूकता अभियान में भाग लेते लोग।

कर्नाटक मिल्क फेडरेशन' टी20 विश्व कप में आयरलैंड और स्कॉटलैंड टीम की आयोजक होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'नंदिनी' ब्रांड के नाम वाला कर्नाटक का डेयरी सहकारी संघ कर्नाटक मिल्क फेडरेशन' (केएमएफ) 2024 टी20 विश्व कप में स्कॉटलैंड और आयरलैंड की क्रिकेट टीम को प्रायोजित करेगा। हालांकि उसके इस कदम की आलोचना की जा रही है। केएमएफ के प्रबंध निदेशक एम के जगदीश ने रविवार को पीटीआई से कहा, हां, हम उनका प्रायोजन कर रहे हैं। वे मैच के दौरान हमारे ब्रांड का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह कदम 'नंदिनी' को वैश्विक ब्रांड बनाने के लिए लिया गया है। सूचना प्रोद्योगिकी उद्योग के अनुभवी और इंफोसिस के पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी टी वी मोहनदास पाई ने इस कदम की आलोचना की। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, कितना शर्मनाक है। वे कर्नाटक के किसानों का पैसा विदेशी टीम के प्रायोजन पर क्यों लगा रहे हैं। इससे क्या मिलेगा? गरीब किसानों को अच्छा भुगतान करो। यह कर्नाटक के सहकारी संघ की बर्बादी है।

इस पर जगदीश ने कहा, हमारा 85 प्रतिशत राजस्व किसानों को ही जाता है। हम अपने उत्पाद के प्रचार के लिए क्रिकेट टीम का प्रायोजन कर रहे हैं। हमें वैश्विक होने की जरूरत है।

पुलिस ने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर दो युवकों को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। पुलिस ने कांग्रेस पार्षद निरंजन हिरेमथ की बेटी नेहा हिरेमथ की कथित तौर पर फैयाज खोंदुनाइक द्वारा हत्या किए जाने को सोशल मीडिया पर न्यायोचित ठहराने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। धारवाड़ के रहने वाले आरोपियों को शनिवार को गिरफ्तार किया गया। कुछ हिंदू समर्थक कार्यकर्ताओं ने शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि दोनों ने सोशल मीडिया पर दावा किया है कि नेहा और फैयाज के बीच प्रेम संबंध था।

शिकायतकर्ताओं के अनुसार, ''दोनों आरोपियों ने नेहा और आरोपी फैयाज की तस्वीरें पोस्ट कीं और लिखा, नेहा फैयाज का सच्चा प्यार, प्यार के लिए न्याय।'' हुब्बल्ली-धारवाड़ नगर निगम के कांग्रेस पार्षद निरंजन हिरेमथ की बेटी नेहा हिरेमथ (23) की 18 अप्रैल को बीवीबी कॉलेज के परिसर में कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। वह एमसीए प्रथम वर्ष की छात्रा थी जबकि फैयाज उसका पूर्व सहपाठी है। पुलिस ने घटनास्थल से फरार हुए फैयाज को गिरफ्तार कर लिया था। इस घटना से उत्पन्न आक्रोश के बीच हुबली, धारवाड़ और कई अन्य स्थानों पर लोगों ने प्रदर्शन किया।

भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस सरकार पर समाज विरोधी तत्वों के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि इसी वजह से यह घटना हुई जबकि सत्तारूढ़ पार्टी इसे व्यक्तिगत पहलू वाली घटना बताने की कोशिश कर रही है।

आरोपी के पिता ने नेहा के परिवार से माफी मांगी, बेटे को कड़ी सजा देने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली हत्याकांड

हुब्बल्ली। हुब्बल्ली में एक कॉलेज परिसर में कांग्रेस के एक पार्षद की बेटी की कथित तौर पर हत्या करने वाले 23 वर्षीय फैयाज के पिता ने पीड़ित परिवार से माफी मांगी है और अपने बेटे को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की है।

स्कूल शिक्षक एवं फैयाज के पिता बाबा साहेब सुबानी ने शनिवार को मीडिया से कहा कि उन्हें बृहस्पतिवार शाम करीब छह बजे घटना के बारे में पता चला और वह अपने बेटे के कृत्य से पूरी तरह टूट गए हैं।

उन्होंने नम आंखों से कहा, उसे (फैयाज) ऐसी सजा दी जाए कि भविष्य में कोई भी ऐसी हरकत करने की हिमाकत न करे। मैं हाथ जोड़कर नेहा के परिवार के सदस्यों से माफी मांगता हूं। वह मेरी बेटी की तरह थी। सुबानी ने कहा कि वह और उनकी पत्नी पिछले छह साल से अलग रह रहे हैं और फैयाज अपनी मां के साथ रहता था तथा जब भी उसे पैसों की जरूरत होती थी तो वह उन्हें फोन करता था। उन्होंने आखिरी बार करीब तीन महीने पहले अपने बेटे से बात की थी। फैयाज के पिता ने कहा कि करीब आठ महीने पहले नेहा के परिवार ने उन्हें फोन कर जानकारी दी थी कि उनका बेटा नेहा को परेशान कर रहा है। अपने बेटे की गलती स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि फैयाज और नेहा एक-दूसरे से प्यार करते थे।

उन्होंने कहा, ''फैयाज ने मुझे बताया था कि वह उससे शादी करना चाहता है लेकिन मैंने हाथ जोड़कर उसे इनकार कर दिया था।'' अपने बेटे के कृत्य की निंदा करते हुए फैयाज के पिता ने कहा कि किसी को भी महिलाओं के खिलाफ ऐसा अत्याचार नहीं करना चाहिए।

उन्होंने रोते हुए हाथ जोड़कर कहा, ''मैं कर्नाटक के लोगों से मुझे माफ करने का अनुरोध करता हूं। मेरे बेटे ने गलत किया है। कानून उसे सजा देगा और मैं इसका स्वागत करूंगा। मेरे बेटे की वजह से मेरे शहर पर कलंक लग गया है। मुनावल्ली (फैयाज का गृह नगर) के लोग कृपया मुझे माफ कर दें।''

नेहा का परिवार यह मांग कर रहा है कि आरोपी को मौत की सजा दी जाए तभी उनकी बेटी की आत्मा को शांति मिलेगी। परिवार के लोगों ने कहा कि उनकी बेटी का फैयाज से कोई रिश्ता नहीं था और आरोपी ने नेहा को इसलिए

चाकू से गोदा क्योंकि उसने फैयाज का प्रेम प्रस्ताव ठुकरा दिया था।

राज्य के कई हिस्सों में फैयाज को मौत की सजा देने की मांग को लेकर प्रदर्शन किए गए हैं। हुब्बल्ली-धारवाड़ नगर निगम के कांग्रेस पार्षद निरंजन हिरेमठ की बेटी नेहा हिरेमठ(23) की 18 अप्रैल को बीवीबी कॉलेज के परिसर में कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। वह एमसीए प्रथम वर्ष की छात्रा थी जबकि फैयाज उसका पूर्व सहपाठी है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, फैयाज ने नेहा पर कथित तौर पर कई बार चाकू से वार किया। पूछताछ के दौरान उसने दावा किया कि दोनों के बीच प्रेम संबंध थे लेकिन नेहा कुछ समय से उसे नजरअंदाज कर रही थी। पुलिस अधिकारी ने कहा कि आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया था।

शहर पुलिस आयुक्त ने हुब्बल्ली हत्याकांड के आरोपियों को पकड़ने वाली टीम की सराहना की

हुब्बल्ली। कर्नाटक में हुबली धारवाड़ शहर की पुलिस आयुक्त रेणुका सुकुमार ने हाल में कॉलेज की एक छात्रा की हत्या के मामले में आरोपी को सफलतापूर्वक पकड़ने वाली पुलिस टीम की सराहना की। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। हुबली-धारवाड़ नगर निगम के कांग्रेस पार्षद निरंजन हिरेमथ की बेटी नेहा हिरेमथ (23) की 18 अप्रैल को बीवीबी कॉलेज परिसर में उसके पूर्व सहपाठी फैयाज ने चाकू मारकर कथित तौर पर हत्या कर दी थी। पुलिस ने वारदात के एक घंटे के भीतर अपराधी को पकड़ लिया।

अधिकारियों ने बताया कि सुकुमार ने टीम के प्रत्येक सदस्य को प्रशंसा पत्र के अलावा नकद पुरस्कार के रूप में 25,000 रुपये भी दिए।

नेहा हिरेमठ की हत्या के विरोध में मुस्लिम संगठनों ने आज बंद की घोषणा की

धारवाड़। कर्नाटक के हुब्बल्ली में मुस्लिम संगठनों ने कॉलेज छात्रा नेहा हिरेमथ की हत्या की निंदा करते हुए यहां सोमवार को 'बंद' (हड़ताल) का आह्वान किया है। धारवाड़ स्थित अंजुमन-ए-इस्लाम के अध्यक्ष इस्माइल तमतगार ने कहा कि मुस्लिम समुदाय के सभी व्यवसायी दिवंगत आत्मा के प्रति संवेदना व्यक्त करने और इस क्रूर घटना का विरोध करने के लिए कल सुबह 10 बजे से अपराह्न तीन बजे तक बंद रखेंगे। इस्माइल तमतगार ने कहा, कल हम बंद रखेंगे। मृत्यु पर शोक व्यक्त करने और परिवार के साथ अपनी एकजुटता दिखाने के लिए चिकन की दुकानें, गैरेज वर्कशॉप, फल विक्रेता, बैंक, संस्थान बंद रहेंगे। हम अपनी दुकानों पर 'जस्टिस फॉर नेहा' का स्टिकर लगाएंगे।'' उन्होंने बताया कि एक रैली भी निकाली जायेगी।

वाहनिकुला क्षत्रिय समुदाय ने चिकबल्लापुर भाजपा प्रत्याशी डॉ. सुधाकर का विरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एसोसिएशन ऑफ कर्नाटक स्टेट टाइगल्स (वाह्निकुला क्षत्रिय) ने आक्रोश व्यक्त किया है कि डॉ. के. सुधाकर वाहनिकुला समुदाय के नेताओं को कुचल रहे हैं और इस तरह समुदाय के लोगों के साथ अन्याय कर रहे हैं। येलहंका में चिक्कबल्लापुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के वाहनिकुला समाज की बैठक में, चिक्कबल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र के समुदाय के सदस्यों ने सर्वसम्मति से इस लोकसभा चुनाव में किसी भी कारण से डॉ. के. सुधाकर को वोट नहीं देने का निर्णय लिया।

कर्नाटक राज्य वाहनिकुला क्षत्रिय संघ के प्रदेश अध्यक्ष एम. कृष्णमूर्ति ने कहा कि राज्य में हमारे समुदाय के 40 लाख सदस्य नगर सभा, बीबीएमपी तक सीमित हैं। हालाँकि, समुदाय का एक भी सदस्य विधायक नहीं बना है। उन्होंने कहा कि अफसोस की बात है कि हमारे समाज के नेता अगर आगे बढ़ना चाहते हैं तो उन्हें रौंदने का काम कर रहे हैं। एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष सी. जयराज ने कहा कि जब वह विधानसभा चुनाव में मालूर विधानसभा क्षेत्र से हुडी विजय कुमार के लिए टिकट मांगने गए, तो समुदाय के नेताओं ने स्वामीजी को बिना डॉ. के. सुधाकर के पेरेसेंड्रा निवास पर भेज दिया। उन्हें अंदर आमंत्रित करने का शिष्टाचार दिखाया।

साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि टिकट की हेराफेरी में बीजेपी ने बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने भाजपा में शामिल होने के कार्यक्रम में भी रोड़ा अटकाया। उन्होंने ऐसा करके समुदाय का अपमान किया है। कार्यक्रम में अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए आने वाले चुनावों में वाहनिकुला समुदाय द्वारा सबक सिखाएंगे। कार्यक्रम में देवनहल्ली आदिशक्ति द्रोपताम्मा गुरुपीठ के मंजूनाथ स्वामीजी, मुनितायप्पा, नागार्जुन, नारायणस्वामी एमडी, गोविंदराजू, चिन्नास्वामी गौदार, जगदीश मुद्दन्ना, वाईसी वेंकटेश, कोंडाशेट्टीहल्ली, टाटा रमेश और संघ के अन्य नेता उपस्थित थे।

जुलूस

बेंगलूरु में रविवार को तिगलारा बीड़ी में करगा उत्सव के रूप में महिलाओं ने दीपोत्सव जुलूस निकाला।

कांग्रेस ने भाजपा उम्मीदवार वाडियार के खिलाफ निर्वाचन आयोग में दर्ज कराई शिकायत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मैसुरु-कोडागु लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवार यदुवीर कृष्णदत्त चामराज वाडियार के खिलाफ निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। केपीसीसी ने उन पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन और रिश्वतखोरी में कथित संलिप्तता का आरोप लगाया है। शनिवार को कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को लिखे एक पत्र में केपीसीसी ने आरोप लगाया कि वाडियार ऐसे कार्यों में संलिप्त रहे हैं जो आदर्श आचार सहिंता का घोर उल्लंघन करते हैं और जिससे चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता के लिए गंभीर खतरा पैदा होता है। केपीसीसी ने आरोप लगाया, ''वाडियार ने अपने चुनावी अभियान के लिए समर्थन मांगने के स्पष्ट उद्देश्य से सोशल मीडिया मंचों पर कई इंफ्लुएंसर के साथ बातचीत की।'' पत्र में कहा गया है कि इस बातचीत का सबसे चिंताजनक पहलू इन इंफ्लुएंसर को उनकी उम्मीदवारी के स्पष्ट समर्थन और प्रचार के बदले में पर्याप्त मात्रा में धन देना था। पत्र में आरोप लगाया गया, इंफ्लुएंसर को पैसे बांटने का यह शर्मनाक कृत्य न केवल स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के बुनियादी सिद्धांतों का उल्लंघन करता है, बल्कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 और भारतीय दंड संहिता के तहत एक गंभीर अपराध भी है।

कांग्रेस को उसके पापों की सजा दे रहा है देश : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जालोर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने परिवारवाद और भ्रष्टाचार का दीमक फैलाकर देश को खोखला कर दिया और उसके इन्हीं पापों की सजा आज देश पार्टी को दे रहा है। उन्होंने कहा कि जिस कांग्रेस पार्टी ने कभी देश में 400 लोकसभा सीटें जीती थी.. वह आज 300 सीटों पर चुनाव नहीं लड़ पा रही है। प्रधानमंत्री ने भीनमाल (जालोर) में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, कांग्रेस ने परिवारवाद और भ्रष्टाचार का दीमक फैलाकर देश को खोखला कर दिया और उनके इन्हीं पापों की सजा आज देश कांग्रेस को दे रहा है। मोदी ने कहा कि आज कांग्रेस पार्टी की जो हालत हुई है उसकी गुनहगार वह खुद है।

राजस्थान में पहले चरण के मतदान की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, पहले चरण के मतदान में आधे राजस्थान ने कांग्रेस को बराबर सजा दी है। उसे बराबर सबक सिखाया है। उन्होंने कहा, राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत राजस्थान ये जानता है कि कांग्रेस कभी भी मजबूत भारत बना ही नहीं सकती। देश को ऐसी कांग्रेस सरकार नहीं चाहिए। देश को 2014 के पहले जो हालात थे वो हालात वापस नहीं चाहिए।

मोदी ने कहा, (तब) हर कोई कांग्रेस की कमजोर सरकार को आता जाता हर कोई धमकाता था और हर कोई देश को लूटने में जुटा था। प्रधानमंत्री को तो कोई पूछता ही नहीं था। सरकार रिमोट कंट्रोल से चला करती थी। कैबिनेट से पास हुए अध्यादेश को उनकी पार्टी के ही एक नेता मीडिया की बैठक में बड़े रौब से फाड़ कर फेंक देते थे।

उन्होंने कहा कि ऐसी दुर्बल अवस्था देश को मजबूत बना सकती है क्या? आप मुझे बताइये अस्थिरता की प्रतीक कांग्रेस पार्टी और उनका कुनबा देश को चला सकता है क्या? आज कांग्रेस पार्टी की जो हालत हुई है उसकी गुनहगार वो खुद है। मोदी ने आरोप लगाया कि 60 वर्षों तक राज करने वाली कांग्रेस ने हमारी माताओं-बहनों को शौचालय, गैस, बिजली, पानी, बैंक खाते जैसी छोटी छोटी चीजों के लिये तरसाया है।

उन्होंने कहा, इसी कांग्रेस ने परिवारवाद और भ्रष्टाचार का दीमक फैलाकर देश को खोखला कर दिया और उनके इन्हीं पापों की सजा आज देश कांग्रेस को दे रहा है और खासकर के देश का युवा इतना गुस्से में है वो दोबारा कांग्रेस का मुंह नहीं देखना चाहता है। मोदी ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पर कटाक्ष करते हुए कहा, इन्होंने अवसरवादी 'इंडी एलायंस' बना लिया है। उसकी पतंग उड़ने से पहले ही कट गई है। कहने को तो गठबंधन है लेकिन कई राज्यों में ये गठबंधन वाले ही आपस में ही लड़ रहे हैं। इस लोकसभा चुनाव में देश की 25 प्रतिशत सीट ऐसी हैं, जहां ये गठबंधन के लोग एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। मोदी ने आरोप लगाया कि राज्य की गत कांग्रेस सरकार ने जल जीवन मिशन योजना में घोटाला किया व उसका काम नहीं होने दिया।

उन्होंने कहा, अब हमारी भजनलाल सरकार आयी है वो घोटाले की जांच भी कर रही ..अगर यहां कांग्रेस सरकार ना होता तो अब तक हम हर घर जल के लक्ष्य के बहुत निकट पहुंच जाते है। उन्होंने कहा, अभी हमें राजस्थान के विकास को, देश के विकास को नई बुलंदी देनी है। ये संकल्प लेकर मैं चल पड़ा हूं। भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनाना है। 'विकसित भारत-विकसित राजस्थान' बनाना है। राजस्थान में लोकसभा की 25 सीट हैं। पहले चरण में 12 सीट पर मतदान 19 अप्रैल को हुआ था और बाकी बची 13 सीट पर दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होना है।

परिवारवाद और भ्रष्टाचार का दीमक फैलाकर देश को खोखला कर दिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि उसने परिवारवाद और भ्रष्टाचार का दीमक फैलाकर देश को खोखला कर दिया और इन्हीं पापों की सजा आज देश कांग्रेस को दे रहा है। भीनमाल (जालोर) में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस ने परिवारवाद और भ्रष्टाचार का दीमक फैलाकर देश को खोखला कर दिया और उनके इन्हीं पापों की सजा आज देश कांग्रेस को दे रहा है। मोदी ने कहा कि आज कांग्रेस पार्टी की जो हालत हुई है उसकी गुनहगार वह खुद है। राजस्थान में पहले चरण के मतदान की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, पहले चरण के मतदान में आधे राजस्थान ने कांग्रेस को बराबर सजा दी है। उनको बराबर सबक सिखाया है।

उन्होंने कहा, राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत राजस्थान ये जानता है कि कांग्रेस कभी भी मजबूत भारत बना ही नहीं सकती। देश को ऐसी कांग्रेस सरकार नहीं चाहिए। देश को 2014 के पहले जो हालात थे वो हालात वापस नहीं चाहिए।

सड़क दुर्घटना में तीन भाइयों समेत नौ लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। विवाह समारोह में शामिल होने के बाद लौट रहे नौ लोगों की राजस्थान के झालावाड़ जिले में शनिवार देर रात उस समय मौत हो गई जब उनकी कार सामने से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। हादसे की चपेट में आए लोग एक विवाह समारोह में भाग लेकर भोपाल के डूंगरी गांव से लौट रहे थे। इस दुर्घटना में मारे गए सभी लोगों की आयु 16 से 30 वर्ष थी। एकलेरा पुलिस थाना प्रभारी संदीप विशोनी ने बताया कि मृतकों में 16 वर्षीय रोहित, 22 वर्षीय सोनू और 24 वर्षीय दीपक शामिल हैं। उन्होंने बताया कि ये तीनों भाई थे। उन्होंने कहा कि अन्य मृतकों की पहचान 24 वर्षीय अशोक, 33 वर्षीय हेमराज, 25 वर्षीय रविशंकर और 20 वर्षीय राहुल के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि ये सभी झालावाड़ के एकलेरा गांव में बागरी मोहल्ले के रहने वाले थे।

थाना प्रभारी ने बताया कि 22 वर्षीय रोहित और 20 वर्षीय रामकिशन की भी इस हादसे में मौत हो गई जो झालावाड़ के खानपुर इलाके और बारां जिले के हरनावदा के रहने वाले थे। विशोनी ने बताया कि 18 वर्षीय मनीष बागरी की हालत गंभीर है और उसका अस्पताल में इलाज जारी है।

पुलिस उपाधीक्षक हेमंत गौतम ने बताया कि हादसे में कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की चपेट में आए लोगों के रिश्तेदार गोपाल बागरी ने बताया कि रात करीब साढ़े 12 बजे तीन कारों और दो पिकअप गाड़ियों में करीब 35-40 बाराती डूंगरी से निकले थे। उन्होंने कहा कि रास्ते में वे भोपाल रोड पर स्थित खिमची गांव में चाय पीने के लिए रुक गए लेकिन अन्य कार आगे बढ़ गई। गोपाल बागरी ने बताया कि लगभग 10 मिनट बाद उन्होंने अपनी यात्रा फिर से शुरू की और कुछ मिनट की यात्रा के बाद लगभग सवा दो बजे उन्हें पचोला गांव के पास एक कार क्षतिग्रस्त अवस्था में एक ट्रक में फंसी हुई मिली।

गंभीर रूप से घायल लोगों को बाहर निकालने के लिए बचावकर्मियों को कार का पिछला दरवाजा तोड़ना पड़ा। दुर्घनाग्रस्त कार में सवार पांच लोगों को एक निजी अस्पताल और चार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

राजपूतों की नाराजगी दूर करने के लिए भाजपा को 'मोदी मैजिक' और विकास के मुद्दे का सहारा

लोकसभा चुनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्तौड़गढ़। केंद्रीय मंत्री पुरषोत्तम रूपाला की टिप्पणी पर राजपूत समुदाय के एक वर्ग के विरोध का सामना कर रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उम्मीद है कि 'मोदी फैक्टर' और विकास कार्यों के बूते पर वह राजपूत बहुल चित्तौड़गढ़ सीट पर अपनी जीत बरकरार रख पाएगी। कांग्रेस चित्तौड़गढ़ लोकसभा क्षेत्र के मतदाताओं से वोट मांगने के लिए किसान कल्याण और महंगाई के मुद्दों को उठा रही है। चित्तौड़गढ़ सीट के लिए 26 अप्रैल को मतदान होगा। भाजपा ने इस सीट पर पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सी.पी. जोशी को मैदान में उतारा है, जबकि कांग्रेस ने पूर्व मंत्री उदयलाल आंजना को टिकट दिया है।

चित्तौड़गढ़ से 2014 और 2019 का लोकसभा चुनाव में विजयी रहे जोशी का लक्ष्य जीत की 'हैट्रिक' लगाना है और वे अपने कार्यकाल में हुए विकास कार्यों को गिनवा रहे हैं, जिनमें रेल संपर्क में बढ़ाना, नयी ट्रेन का संचालन और नए राजमार्गों के निर्माण शामिल हैं। जोशी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, विकास कार्यों से इस इलाके की तस्वीर बदलने वाली है। मुझे विश्वास है कि चित्तौड़गढ़ के लोग विकास को चुनेंगे।

उन्हें उम्मीद हैं कि 'मोदी फैक्टर' और निर्वाचन क्षेत्र में किए गए विकास कार्य भाजपा को राजपूत समुदाय में पार्टी के खिलाफ पैदा हुई नकारात्मकता से बचाएंगे। राजपूत समाज के लोग मांग कर रहे हैं कि भाजपा रूपाला को राजकोट लोकसभा सीट से पार्टी का उम्मीदवार नहीं बनाए। रूपाला ने 22 मार्च को राजकोट में एक सभा में कहा था कि पूर्ववर्ती 'महाराजा' विदेशी आक्रांताओं और अंग्रेजों के आगे झुक गए थे।

उन्होंने कहा कि 'महाराजाओं' ने अंग्रेजों के साथ रोटी-बेटी का रिश्ता बनाया। हालांकि रूपाला ने अपनी टिप्पणियों के लिए माफी मांगी, लेकिन राजपूतों ने उनकी माफी को स्वीकार नहीं किया। चित्तौड़गढ़ से कांग्रेस प्रत्याशी उदयलाल आंजना खुद को 'किसान के बेटे' के रूप में पेश कर रहे हैं और किसानों के कल्याण के मुद्दे पर वोट मांग रहे हैं। उन्होंने कहा, आज, संविधान खतरे में है। भाजपा ने संविधान का मजाक बना दिया है। अगर उन्हें 400 से ज्यादा सीट मिलती हैं तो अनुसूचित जाति, जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण खत्म कर दिया जाएगा।

जोशी ने इस दावे का खंडन करते हुए कहा कि भाजपा आरक्षण के खिलाफ नहीं है। जोशी ने कांग्रेस पर दलित विरोधी होने का आरोप लगाया। कांग्रेस की कहानी आरक्षित श्रेणियों के कुछ लोगों को प्रभावित करती दिखाई दी। कांग्रेस नेता ने चित्तौड़गढ़ के अफीम किसानों से यह भी वादा किया कि अगर वह जीतेंगे तो वे उनके मुद्दे संसद में उठाएंगे। आंजना ने कहा, मैं अफीम की खेती में भ्रष्टाचार नहीं होने दूंगा। मैं किसानों के हित में नीतियां बनवाने का काम करूंगा। आज किसानों के साथ अन्याय हो रहा है और उनसे बात करने वाला कोई नहीं है।

पूर्व विधायक बद्री लाल जाट ने कहा कि अधिकांश लोग विकास चाहते हैं। उन्होंने कहा, चितौड़ का किला बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता है, लेकिन वे चितौड़गढ़ में कुछ ही घंटे बिताते हैं। भाजपा पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए काम करेगी। चित्तौड़गढ़ के गंगरार कस्बे के आदिवासी रामकिशोर मीणा ने कहा, आरक्षण हमारा अधिकार है और चाहे भाजपा हो या कांग्रेस, कोई भी सरकार इसे वापस नहीं ले सकती। शहर के एक उद्यमी आंचल बोहरा ने बताया कि बहादुरी, वीरता और देशभक्ति की कहानियों के लिए प्रसिद्ध, चित्तौड़गढ़ की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से सीमेंट उद्योग पर आधारित है। साथ ही संगमरमर और ग्रेनाइट उद्योग भी फलफूल रहे हैं।

उन्होंने चित्तौड़गढ़ में 'पीटीआई-भाषा' से कहा, चित्तौड़गढ़ में सड़क और रेल संपर्क काफी बढ़ गया है, जिसने इसे आर्थिक गलियारे में जगह दी है।

मार्बल और ग्रेनाइट उद्योग फलफूल रहा है और नयी सीमेंट फैक्टरियां के आने की संभावना बढ़ रही है जिससे रोजगार के अधिक अवसर पैदा होंगे। चित्तौड़गढ़ लोकसभा सीट में आठ विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं जिनमें चित्तौड़गढ़ जिले की पांच, उदयपुर जिले की दो और प्रतापगढ़ जिले की एक विधानसभा है। इनमें से छह पर भाजपा, एक पर कांग्रेस और एक सीट पर भाजपा से बागी होकर चुनाव लड़े निर्दलीय विधायक हैं। चित्तौड़गढ़ लोकसभा क्षेत्र में पांच लाख नए मतदाताओं सहित 21 लाख से अधिक मतदाता हैं। इस सीट पर राजपूतों का दबदबा है। उनके बाद वैश्य और ब्राह्मण मतदाताओं का नंबर आता है। ओबीसी, दलित और आदिवासी वोट भी अच्छे खासे हैं।

कांग्रेस प्रत्याशी का बड़ा बयान, कांग्रेस राम की पुजारी भाजपा राम की व्यापारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। उदयपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी उदयपुर के पूर्व कलक्टर ताराचंद मीणा ने रविवार को बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कांग्रेस को राम की पुजारी और भाजपा को राम का व्यापारी कहा है। कांग्रेस द्वारा राम मंदिर प्रतिष्ठा के निमंत्रण को अस्वीकार करने के संबंध में यह बयान देते हुए उन्होंने आगे जोड़ा है कि हम तो बचपन से ही राम-राम कहते आए हैं।

कांग्रेस प्रत्याशी ताराचंद मीणा रविवार को प्रेस से मुखातिब थे। यहां उदयपुर शहर के आरटीडीसी होटल में हुई प्रेसवार्ता में उन्होंने उदयपुर के कलेक्टर रहने के दौरान आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए उनके द्वारा किए गए कार्यों को गिनाते हुए कहा कि उनका फोकस युवाओं को रोजगार, उच्च शिक्षा, उदयपुर से प्रशासनिक सेवाओं में भर्ती, ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा, उदयपुर शहर की यातायात व्यवस्था को ठीक करना, खेल सुविधाओं का विकास, एयरपोर्ट को जल्द से जल्द अंतरराष्ट्रीय स्तर का दर्जा दिलाना और ग्रामीण क्षेत्रों में औद्योगिक क्षेत्रों का निर्माण करने पर रहेगा, ताकि गांवों से शहरों की ओर पलायन रुक सके। उन्होंने कहा वे बचपन से ही कांग्रेस विचारधारा के रहे हैं। कांग्रेस धर्म की राजनीति नहीं करती है। भारत आदिवासी पाटी के सम्बंध में अपनी राय संगठन से जुदा है। भारत आदिवासी पार्टी को उन्होंने युवाओं को गुमराह करने वाली पार्टी बताया है, जबकि इसी पार्टी को कांग्रेस ने बांसवाड़ा लोकसभा सीट पर समर्थन दे रखा है। बाहरी प्रत्याशी होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि वे किसी का टिकट काटकर नहीं आए हैं। यहां के स्थानीय कांग्रेस प्रतिनिधित्व ने ही उनकी अनुशंसा की है।

विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी गौरव वल्लभ के पार्टी छोड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि किसी के भी आने या जाने से संगठन को कोई फर्क नहीं पड़ता है। कांग्रेस संगठन की विचारधारा समभाव की है। उनके जिला कलक्टर कार्यकाल के दौरान उदयपुर के सबसे पीड़ादायी कन्हैया हत्याकाण्ड पर उन्होंने कहा कि वे उदयपुर के सम्पूर्ण समाज का धन्यवाद करते हैं कि इस हत्याकाण्ड के बाद कोई नकारात्मक घटना नहीं हुई, वर्ना उदयपुर दस साल पीछे चला जाता।

छब्बीस लाख रुपए से भरी एटीएम मशीन उखाड़कर ले गए बदमाश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में खैरथल तिजारा में ततारपुर थाना क्षेत्र में पुलिस रिजर्व लाईन के सामने कुछ बदमाश रीको औधोगिक क्षेत्र के इस्माईलपुर रोड स्थित पंजाब नेशनल बैंक की एटीएम मशीन को उखाड़कर अपने साथ गाड़ी में उठा ले गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार देर रात हुई वारदात में एटीएम मशीन के अंदर करीबन 26 लाख रुपये की नगदी थी। अब पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

एटीएम के पास ही चाय का खोखा चलाने वाला राजकुमार अलसुबह 4 बजे जब अपनी चाय की थड़ी को खोलने के लिए वहां पहुंचा। वहां उसे एटीएम का शीशा टूटा हुआ मिला और एटीएम मशीन का खोल साइड में पड़ा हुआ था जिससे उसे एहसास हुआ कि कोई अज्ञात चोर एटीएम को उखाड़ ले गए हैं। जिसकी सूचना उसने पास ही की इंडस कंपनी के गार्ड और अन्य लोगों को दी।

घटना की सूचना मिलते ही किशनगढ़ बास पुलिस उपाधीक्षक राजेंद्र सिंह भी मौके पर पहुंचे। जहां उन्होंने पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। पीएनबी के शाखा प्रबंधक बलराम मीणा ने बताया कि रविवार का अवकाश होने के चलते शनिवार को ही एटीएम मशीन में साढ़े 28 लाख रुपए का कैश डाला गया था जिसमें से करीब दो ढाई लाख रुपए का कैश निकाला है एटीएम मशीन में करीब 26 लाख रुपए का कैश बताया गया है।

एक किया कंपनी की कार शनिवार रात्रि 2 बजकर 17 मिनिट पर आकर रुकी थी जिसमें सवार अज्ञात चोर 2 बजकर 34 मिनिट तक महज 17 मिनट के अंदर वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। ततारपुर थाना अधिकारी अंकेश चैधरी पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का मौका मुआयना करने के पश्चात पास ही में इंडस कंपनी के सीसीटीवी कैमरा की फुटेज को देखा।

महावीर जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में रविवार को जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राजधानी जयपुर में त्रिपोलिया बाजार से रामलीला मैदान तक हजारों जैन श्रद्धालुओं की उपस्थिति और आचार्य चैत्य सागर महाराज, आचार्य शशांक सागर महाराज एवं गणिनी आर्यिका विज्ञामाताजी ससंघ सानिध्य में शोभायात्रा निकाली गई। राजस्थान जैन सभा के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के तहत रविवार को त्रिपोलिया बाजार के दिगंबर जैन मंदिर से शोभायात्रा का शुभारंभ किया गया जो बड़ी चौपड़, जोहरी बाजार, सांगानेर गेट, बापू बाजार होते हुए रामलीला मैदान पर संपन्न हुई जहां संतों और माताजी ने धर्मसभा को संबोधित किया। इस दौरान ब्रह्मचारी राकेश जैन को जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान की गई। इस अवसर पर आचार्य शशांक सागर महाराज का 24 वां दीक्षा दिवस भी मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य, पूर्व जयपुर शहर अध्यक्ष भाजपा संजय जैन, कांग्रेस नेता संजय बापना, राजस्थान जैन सभा अध्यक्ष सुभाष जैन पांड्या सहित जयपुर जैन समाज के कई लोग सम्मिलित हुए।

इस मौके पर अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक जैन ने भगवान महावीर स्वामी के सिद्धांतों का अनुसरण करने की जरूरत बताते हुए कहा कि दुनिया में जैन धर्म ऐसा धर्म है जो अहिंसा का संदेश देता, जियो और जीने का सिद्धांत बताता है, सभी प्राणियों को अहिंसा ही सबसे बड़ा धर्म है का पालन करने का उपदेश देता है। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर शोभायात्राएं निकाली गई।

कांग्रेस ने युवाओं को समाज और देश की मुख्यधारा से भटकाने का प्रयास किया : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोरबा/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने नक्सलवाद के साथ समझौता किया हुआ है और पार्टी ने युवाओं को समाज और देश की मुख्यधारा से भटकाने का प्रयास किया है।

छत्तीसगढ़ के कोरबा लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत कोरबा शहर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि जहां भारत अपने 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रहा है, वहीं पड़ोसी पाकिस्तान में 23 करोड़ लोग भूख से लड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में भारत बदल गया है और दुनिया में देश की प्रतिष्ठा बढ़ी है। योगी ने कहा, कांग्रेस का नक्सलवाद के साथ समझौता रहा है...यह किसी से छिपा नहीं है। युवाओं के हाथ में टेबलेट और रोजगार होना चाहिए था लेकिन कांग्रेस की सरकारों ने उनके हाथों में तमंचा थमा दिया।

उन्होंने (कांग्रेस सरकार) युवाओं को समाज और देश की मुख्यधारा से भटकाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस युवाओं के भविष्य के साथ खेलती है और समाज को विभाजित करने का काम करती है। वह कुछ नहीं कर पाते तो मोदी को गाली देते हैं। लेकिन पूरा देश मोदी जी का परिवार है। वह देश के 140 करोड़ लोगों की सेवा के लिए काम कर रहे हैं। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा, 2014 से पहले कांग्रेस शासन में लोग भूख से मरते थे, किसान आत्महत्या करते थे, बेटियां और व्यापारी असुरक्षित थे और आतंकवादी देश में घुसकर कहीं भी विस्फोट कर देते थे। लेकिन अब हालात ऐसे हैं कि अगर (भारत में) कोई पटाखा तेज आवाज के साथ फूटता है तो पाकिस्तान सफाई देने लगता है कि इसके पीछे उसका हाथ नहीं है।

उन्होंने कहा, आपने देखा है कि पिछले 10 वर्षों में भारत बदल गया है। दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है, उसकी सीमाएं सुरक्षित हुई हैं, अब हम मुंहतोड़ जवाब देने और आतंकवाद तथा नक्सलवाद को नष्ट करने में सक्षम हैं।

बिहार के पूर्णिया में सत्ता और विपक्ष की लडाई में निर्दलीय प्रत्याशी पप्पू यादव पड़ रहे भारी

पूर्णिया/भाषा। बिहार के पूर्णिया लोकसभा सीट पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बनाम 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) की लड़ाई के बीच निर्दलीय प्रत्याशी पप्पू यादव चर्चा का विषय बने हुए हैं। बिहार के पूर्वोत्तर कोने में स्थित पूर्णिया साहित्य प्रेमियों के लिए काफी प्रसिद्ध रहा है, जहां हिंदी के कालजयी रचनाकार फणीश्वर नाथ रेणु ने अपना पूरा जीवन बिताया और हिरामन जैसा प्रसिद्ध किरदार गढ़ा, जिसे बड़े पर्दे पर राजकपूर ने 'तीसरी कसम' में निभाया था।

राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव 1990 के दशक में पूर्णिया लोकसभा सीट का तीन बार प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। पूर्णिया लोकसभा सीट पर इस बार का चुनाव रोचक दिखाई दे रहा है क्योंकि कुछ सर्वेक्षणों के अनुसार इस सीट के परिणाम हैरान करने वाले हो सकते हैं। यादव ने दो बार निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में और एक बार सपा उम्मीदवार के तौर पर पूर्णिया सीट का प्रतिनिधित्व किया था। राजग उम्मीदवार एवं जनता दल यूनाइटेड के निवर्तमान सांसद संतोष कुशवाहा का लक्ष्य 'हैट्रिक' लगाना है जबकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी से पाला बदलकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में शामिल हुईं विधायक बीमा भारती विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के उम्मीदवार के रूप में मैदान में हैं।

राजद ने मंडल आयोग की रिपोर्ट का विरोध करने वाली कांग्रेस से हाथ मिला लिया : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटिहार/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि लालू प्रसाद के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने पिछड़े समुदायों को आरक्षण प्रदान करने के लिए गठित मंडल आयोग की सिफारिशों का वर्षों तक विरोध करने वाली कांग्रेस से हाथ मिला लिया है।

कटिहार से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार दुलाल चंद्र गोस्वामी के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, कांग्रेस ने हमेशा पिछड़े वर्ग का अपमान किया है। कांग्रेस ने कई वर्षों तक मंडल आयोग की रिपोर्ट का विरोध किया। अब राजद ने कांग्रेस से हाथ मिला लिया है।

शाह ने कहा, लेकिन हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने इसे संवैधानिक मान्यता दी और पिछड़े वर्ग के लाखों लोगों को सम्मान दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने परिवारवाद, जातिवाद, तुष्टीकरण की राजनीति को खत्म किया और समाज के हर वर्ग के विकास के लिए काम किया।

उन्होंने कांग्रेस और राजद दोनों को विकास विरोधी बताते हुए आरोप लगाया कि राजद ''जंगलराज'' का प्रतीक है।

शाह ने कहा, कांग्रेस और राजद को वोट देने का मतलब है कि लोगों को दंगों का सामना करने के लिए तैयार रहना.... जबकि राजग की डबल इंजन सरकार को वोट देने का मतलब विकास है।

बिहार में किशनगंज, पूर्णिया, भागलपुर और बांका के साथ-साथ कटिहार लोकसभा सीट पर 26 अप्रैल को मतदान होगा।

प्रधानमंत्री मोदी देश के समक्ष मुद्दों पर बात नहीं कर रहे : पवार

जलगांव (महाराष्ट्र)/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान में देश के समक्ष मुद्दों पर बात करने के बजाय विपक्षी दल कांग्रेस को कोसने में लगे हैं। पवार ने यहां पत्रकारों से कहा कि पिछले प्रधानमंत्रियों के प्रचार अभियानों से देश के भविष्य के लिए उनके दृष्टिकोण का पता चलता था। उन्होंने दावा किया, लेकिन मोदी साहब लोगों को प्रभावित करने के लिए जुमलेबाजी कर रहे हैं, व्यक्तिगत हमले कर रहे हैं और कांग्रेस को गाली दे रहे हैं। देश के सामने क्या मुद्दे हैं और वह कैसे आगे बढ़ेगा, इस पर कुछ नहीं बोलते। उन्होंने कहा कि जलगांव की पहचान गांधी-नेहरू की विचारधारा से है, हालांकि पिछले कुछ वर्षों में कुछ चीजें बदल गई हैं। उन्होंने कहा, लेकिन जलगांव और रावेर लोकसभा क्षेत्रों में मौजूदा स्थिति राज्य में विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) के लिए अनुकूल है। विपक्षी गठबंधन एमवीए में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार), कांग्रेस और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) शामिल हैं।

लोकतंत्र को विफल नहीं होने देंगे : हेमंत सोरेन ने जेल से भेजे संदेश में कहा

रांची/भाषा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जेल से भेजे एक संदेश में दावा किया कि भाजपा विपक्ष शासित राज्यों में सरकारें गिराने की कोशिश कर रही है लेकिन लोकतंत्र को विफल नहीं होने दिया जाएगा। हेमंत की पत्नी कल्पना सोरेन ने रविवार को यहां आयोजित एक विशाल रैली में उनका संदेश पढ़ा। कल्पना 'उलगुलान न्याय' रैली को संबोधित कर रही थीं, जिसमें विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में शामिल 28 दलों के नेता शामिल हुए। कल्पना ने आरोप लगाया, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मेरे पति हेमंत सोरेन को चुनाव से ठीक पहले उन ताकतों ने जेल में डाल दिया, जो उनकी सरकारों के खिलाफ साजिश रच रही थीं।

हेमंत का संदेश पढ़ते हुए उन्होंने कहा, विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है, लेकिन भाजपा और ऐसी ताकतों को झारखंड से खदेड़ दिया जाएगा। जनता से भाजपा को हराने का आग्रह करते हुए कल्पना ने दावा किया कि यदि पार्टी (भाजपा) मौजूदा चुनाव जीतती है, तो यह आदिवासियों के लिए एक ''बड़ा खतरा'' होगा। कल्पना सोरेन के गांडेय विधानसभा सीट पर उपचुनाव लड़ने की संभावना है, जहां 20 मई को मतदान होगा।

परिवारवाद की राजनीति के कारण विलुप्त होती जा रही कांग्रेस : नीतीश

किशनगंज/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को कांग्रेस पर आजादी के बाद से ही परिवारवाद की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि यही कारण है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी देश भर में विलुप्त होती जा रही है। लालू यादव के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर निशाना साधते हुए जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के अध्यक्ष ने अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी लालू पर राजनीति में अपने बच्चों को बढ़ावा देने में व्यस्त रहने का आरोप लगाया। जदयू उम्मीदवार मुजाहिद आलम के समर्थन में किशनगंज में एक सभा को संबोधित करते हुए कुमार ने राजद सुप्रीमो का नाम लिए बिना कहा, वे (राजद) 'परिवारवादी' पार्टियां हैं।

प. बंगाल में ममता बनर्जी के शासन में अराजकता फैली हुई है : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जलांगी (पश्चिम बंगाल)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि राज्य में तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के शासन में अराजकता फैली हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य में महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद संदेशखालि जैसी घटनाएं हो रही हैं।

राजनाथ ने यहां मुर्शिदाबाद लोकसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार गौरी शंकर घोष के पक्ष में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार के शासन में अराजकता फैली हुई है। उन्होंने कहा कि संदेशखालि में महिलाओं पर अत्याचार के आरोपों को लेकर दुनिया भर के लोग शर्मिंदा हैं। तृणमूल कांग्रेस के कुछ स्थानीय नेताओं पर राज्य के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखालि में महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने के साथ-साथ आदिवासियों सहित ग्रामीणों की जमीन हड़पने के आरोप लगे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा, यहां राज्य में गुंडों का बोलबाला है और लोग डरे हुए हैं। बंगाल भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के सबसे महत्वपूर्ण केंद्रों में से एक था, जिसने देश को बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के माध्यम से राष्ट्रीय गीत और रवींद्रनाथ टैगोर के जरिये राष्ट्रगान दिया, लेकिन अब बंगाल आपराधिक गतिविधियों के लिए जाना जाता है। राजनाथ ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि राज्य में एक महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद संदेशखालि जैसी घटनाएं कैसे हो सकती हैं, अगर राज्य में भाजपा जीतती है, तो कोई भी ऐसी घटनाओं को दोहराने की हिम्मत नहीं करेगा।

अभिषेक और मुझे निशाना बना रही भाजपा, हम सुरक्षित नहीं : ममता

कुमारगंज (बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा उन्हें और उनके भतीजे एवं तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को निशाना बना रही है तथा वे दोनों सुरक्षित नहीं हैं।

विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने एक दिन पहले कहा था कि सोमवार को एक बड़ा धमाका होगा, जो तृणमूल और उसके शीर्ष नेतृत्व को हिला कर रख देगा, जिसके बाद ममता ने यह आरोप लगाया है। बलूरघाट लोकसभा क्षेत्र के कुमारगंज में पार्टी उम्मीदवार और राज्य में मंत्री बिप्लब मित्रा के समर्थन में एक रैली को संबोधित करते हुए ममता ने कहा, भाजपा मुझे और अभिषेक को निशाना बना रही है। हम सुरक्षित नहीं हैं लेकिन हम केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी की साजिश से भी नहीं डरते हैं। हम हर किसी से तृणमूल नेताओं और पश्चिम बंगाल के लोगों के खिलाफ साजिश के प्रति सावधान रहने का आग्रह करते हैं। तृणमूल प्रमुख ने अधिकारी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, एक गद्दार है, जिसने परिवार और अवैध संपत्ति को बचाने के लिए भाजपा से हाथ मिला लिया। मैं उन्हें बता दूं कि चॉकलेट बम धमाका करने की उनकी धमकी को तवज्जो नहीं देते हैं। उन्होंने कहा, हम पटाखे फोड़कर उनका मुकाबला करेंगे। हम पीएम केयर फंड में विसंगतियों और प्रत्येक व्यक्ति के बैंक खाते में 15 लाख रुपए जमा करने के 'जुमले' को उजागर कर रहे हैं। वे केवल झूठ फैलाते हैं। ममता ने भाजपा पर धर्म आधारित वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया और सवाल किया, दूरदर्शन का 'लोगो' अचानक भगवा क्यों हो गया? सेना के जवानों के आधिकारिक आवास को भगवा रंग से क्यों रंगा गया? काशी में पुलिस की वर्दी भगवा रंग की क्यों कर दी गई?''

भाजपा सरकार मेरे पति को इंसुलिन न देकर जेल में मारना चाहती है : सुनीता केजरीवाल

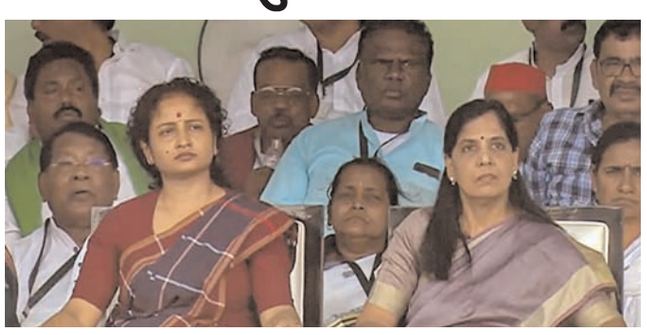

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर उनके पति को इंसुलिन नहीं देने का रविवार को आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा सरकार उन्हें (अरविंद केजरीवाल) मारना चाहती है। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' भाजपा की 'तानाशाही' के खिलाफ लड़ेगा और जीतेगा।

सुनीता ने यहां 'उलगुलान न्याय' रैली में कहा, वे मेरे पति अरविंद केजरीवाल को मारना चाहते हैं। उनके भोजन पर कैमरे से निगरानी रखी जा रही है; उन्हें इंसुलिन देने से मना कर दिया गया है। मेरे पति शुगर के मरीज हैं, जो 12 साल से इंसुलिन पर हैं; उन्हें रोजाना 50 यूनिट इंसुलिन की जरूरत होती है। उन्होंने दावा किया कि उनके पति को ''जन सेवा'' का काम करने के लिए जेल में डाल दिया गया और उनके खिलाफ कोई आरोप साबित नहीं किया जा सका है। उन्होंने कहा, हम तानाशाही के खिलाफ लड़ेंगे और जीतेंगे। जेल के ताले टूटेंगे और अरविंद केजरीवाल तथा हेमंत सोरेन छूटेंगे। केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च को दिल्ली की आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में गिरफ्तार किया था। अब इस नीति को रद्द किया जा चुका है। ईडी ने कथित भूमि धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले में 31 जनवरी की रात सोरेन को भी गिरफ्तार किया था।

हेमंत सोरेन के साथ अन्याय के लिए भाजपा को मुंहतोड़ जवाब देगी झारखंड की जनता : तेजस्वी

रांची/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को दावा किया कि झारखंड की जनता पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ हुए 'अन्याय' के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मुंहतोड़ जवाब देगी।

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की 'उलगुलान न्याय' रैली में हिस्सा लेने के लिए रांची पहुंचने के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने कहा कि विपक्षी गठबंधन का उद्देश्य देश और संविधान को बचाने के लिए भाजपा को उखाड़ फेंकना है। उन्होंने कहा, झारखंड की जनता पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ हुए अन्याय के लिए भाजपा को मुंहतोड़ जवाब देगी। हमारा उद्देश्य देश, लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए भाजपा को जड़ से उखाड़ फेंकना है। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों के एकजुट होने का दावा करते हुए यादव ने कहा, 400 सीट की फिल्म लोकसभा चुनाव के पहले चरण में ही फ्लॉप हो गई है। तेजस्वी यादव के अलावा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, केजरीवाल की पत्नी सुनीता और हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना के रैली को संबोधित करने की उम्मीद है।

भाजपा संविधान बदलने की साजिश रच रही : प्रियंका वाद्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बालोद/राजनांदगांव/भाषा। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर रविवार को आरोप लगाया कि केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी देश के संविधान को बदलने की साजिश रच रही है।

प्रियंका ने कांकेर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत बालोद जिले में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, भाजपा के कई नेता जगह-जगह भाषण दे रहे हैं कि हमें चार सौ सीट दो हम संविधान बदल देंगे। यह क्यों कह रहे हैं। उन्होंने कहा, एक तरफ यह छोटे नेता और उनके कई मंत्री जगह-जगह जाकर कह रहे हैं कि हम संविधान बदल देंगे वहीं दूसरी तरफ प्रधानमंत्री मोदी और उनके बड़े नेता कहते हैं कि हम संविधान को नहीं बदलेंगे। आपको क्या लगता है कि भाजपा के नेता बगैर मोदी जी की इजाजत इतनी बड़ी बात कह सकते हैं। यह पूरी साजिश है।

प्रियंका ने कहा, जिस संविधान ने आपको वोट करने का अधिकार दिया, आरक्षण दिया, जिसने आदिवासियों की संस्कृति को बचाकर रखा, दलितों को आगे बढ़ाने का काम किया, भाजपा इस संविधान को बदल कर आपके अधिकार को कमजोर करना चाहती है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा पर 'दिखावे की राजनीति' करने का भी आरोप लगाया।

स्पेनिश पैरा बैडमिंटन में तरूण ने स्वर्ण और कदम ने रजत पदक जीता

विटोरिया (स्पेन)/भाषा। भारत के तरूण ने यहां स्पेनिश पैरा बैडमिंटन टूर्नामेंट के एसएल4 वर्ग में हमवतन सुकांत कदम को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

तरूण ने फाइनल में कदम को 21-13, 16-21, 21-16 से मात दी।

सेमीफाइनल में कदम ने विश्व चैम्पियन सुहास यथिराज को पराजित किया था।

एसएल3 वर्ग में कुमार नीतेश, मनोज सरकार और जगदेश दिली ने भारत के क्रमश: स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते।

एसएच 6 वर्ग में सिवाराजन सोलाईमलाई ने कांस्य और नित्या स्रे ने रजत पदक हासिल किया।

दीप रंजन और मनोज ने पुरुषों के एसएल3 और एसएल4 डबल्स वर्ग में रजत जबकि उमेश विक्रम और सूर्यकांत ने कांस्य पदक जीता।

मैं यहां राजनीति में बने रहने, लोगों से जुड़े रहने के लिए आया हूं : यूसुफ पठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी के खिलाफ बहरमपुर लोकसभा सीट पर तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहे पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान ने कहा कि वह यहां राजनीति में बने रहने और शहर के लोगों से जुड़े रहने के लिए आए हैं जो उन्हें ''अपना मानकर पहले ही स्वीकार कर चुके हैं।

क्रिकेट के सभी प्रारूपों से फरवरी 2021 में संन्यास लेने वाले पठान को लगता है कि बहरमपुर में हर बीतते दिन के साथ उनकी ताकत और आत्मविश्वास बढ़ता जा रहा है।

पठान ने 'पीटीआई-भाषा' से एक साक्षात्कार में कहा, मैं ऐसी जगह पर आकर धन्य हो गया हूं जहां लोग मुझे कह रहे हैं कि आपको हम यहां से जाने नहीं देंगे। उन्होंने कहा, यहां के लोग मुझे पहले ही अपना बेटा, भाई या मित्र मान चुके हैं। चुनाव का नतीजा चाहे कुछ भी हो, लेकिन मैं उनसे जुड़ा रहूंगा। मैं एक बेहतर भविष्य के लिए उनके साथ रहूंगा जिसके वे हकदार हैं। ये लोग मेरी ताकत हैं और 'इंशा अल्लाह, मैं जीतूंगा। मेरी इस समय

जिस तरह की सकारात्मक सोच है, मैं हार के बारे में सोच भी नहीं रहा हूं। वह पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में तृणमूल के टिकट पर बहरमपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं और कांग्रेस के अनुभवी एवं निवर्तमान सांसद चौधरी को उनके गढ़ में चुनौती दे रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं अधीर चौधरी का बहुत सम्मान करता हूं जो कि एक वरिष्ठ नेता हैं। पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए गुजरात से यहां आए पठान ने कहा, लेकिन जब मैं लोगों को सुनता हूं तो मैंने कोविड-19 के दौरान जमीनी स्तर पर उनकी अनुपस्थिति को लेकर असंतोष सुना है। यहां के लोगों ने आरोप लगाया है कि चौधरी बुनियादी ढांचा विकसित करने और रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए आवश्यक केंद्रीय निधि लाने में नाकाम रहे हैं। लोगों के लिए पर्याप्त काम नहीं किया गया और 25 साल से सांसद रहे नेता को लोगों को जवाब देना चाहिए कि वह नाकाम क्यों रहे।

लोकसभा चुनाव लड़ने का विचार डेढ़ महीने पहले ही पठान के मन में आया जब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक ने उनसे संपर्क किया। पठान ने कहा, यह 10 मार्च को पार्टी द्वारा अपने उम्मीदवारों की सूची घोषित करने वाले दिन से एक सप्ताह पहले हुआ। मैंने शुरुआत में इनकार कर दिया था।

आप हमेशा विराट कोहली पर निर्भर नहीं रह सकते : वरूण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वरूण आरोन ने रविवार को कहा कि अब समय आ गया है जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) के लिए भारत के घरेलू खिलाड़ी जिम्मेदारी उठाएं और विराट कोहली पर निर्भरता को कम करें।

कोहली इस इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में आरसीबी के लिए शानदार फॉर्म में हैं और सात पारियों में 361 रन बनाकर 'ओरेंज कैप' लिए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 147.34 का है और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 113 रन है। स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए आरोन ने कहा, यह सिर्फ ऐसा है कि आरसीबी लय हासिल नहीं कर पा रही, घरेलू खिलाड़ी जिम्मेदारी नहीं उठा रहे। इस साल के शुरू में प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा करने वाले 34 वर्षीय आरोन ने कहा, अगर आपको तालिका में शीर्ष के करीब या फिर इस तालिका के मध्य में पहुंचना है तो आपके पास ऐसे घरेलू खिलाड़ी होने चाहिए जो दमदार प्रदर्शन करें क्योंकि आप हमेशा विराट कोहली पर निर्भर नहीं हो सकते। उन्होंने कहा, अन्य खिलाड़ियों को भी जिम्मेदारी उठानी होगी। आप इतनी ज्यादा राशि उन खिलाड़ियों पर नहीं खर्च कर सकते जो डग आउट में ही बैठे रहे और खेले नहीं। आरोन को आरसीबी ने 2014 में दो करोड़ रुपए में खरीदा था और फिर 2016 की नीलामी में उन्हें रिटेन किया था।

सीमित ओवर के प्रारूपों में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच को लगता है कि आरसीबी को मध्यक्रम में एक आक्रामक बल्लेबाज चाहिए जो कोहली के साथ साझेदारी बना सके। फिंच ने कहा, कोहली ने हर जगह काफी रन जुटाए हैं।

सुविचार

ज़िन्दगी तस्वीर भी है और तक़दीर भी, फर्क तो सिर्फ रंगों का है, मनचाहे रंगों से बने तो तस्वीर और अनजाने रंगों से बने तो तक़दीर।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यह उदासीनता क्यों?

लोकसभा चुनाव के पहले चरण में कई स्थानों पर कम मतदान (प्रतिशत) होना कई सवाल खड़े करता है। आखिर क्या वजह है कि इतने प्रचार-प्रसार के बावजूद वहां मतदाताओं ने उदासीनता दिखाई? मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग कई कदम उठा रहा है। कर्मचारी भी चुनाव संबंधी दायित्वों को मुस्तैदी से निभा रहे हैं। नेतागण खूब रैलियां कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर चुनावी माहौल बना हुआ है। वहीं, मतदाता लोकतंत्र के उत्सव में उतना उत्साह नहीं दिखा रहे, जितना दिखाना चाहिए! अब तक जो आंकड़े आए, उनसे पता चलता है कि राजस्थान के (ज्यादातर) जिलों (जहां पहले चरण में वोट डाले गए) में तो लगभग 50 से 60 प्रतिशत ही मतदान हुआ। दूसरे शब्दों में कहें तो उन जिलों में लगभग आधे मतदाता वोट डालने ही नहीं गए! एक तरफ लोग सोशल मीडिया पर अपील कर रहे हैं कि मतदान जरूर करें, दूसरी तरफ बूथों पर कम उपस्थिति है! आखिर क्यों? इसका जवाब ढूंढ़ना जरूरी है। कहीं ऐसा तो नहीं कि आज भी कई लोग यह सोच रहे हों कि मेरे एक वोट से क्या हो जाएगा? अतीत में एक वोट के अंतर से उम्मीदवारों को हारते और सरकार को गिरते देखा जा चुका है। इसलिए लोकतंत्र में एक-एक वोट का अपना महत्त्व है। प्राय: यह माना जाता है कि शहरों की तुलना में गांवों में चुनावी माहौल ज्यादा होता है, लेकिन इस बार राजस्थान के कई गांवों में लोग यही कहते नजर आए कि मतदान केंद्रों पर वैसी 'रौनक' नहीं है! निश्चित रूप से यह स्थिति लोकतंत्र के लिए, देश के भविष्य के लिए ठीक नहीं है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में तो मतदान प्रतिशत बढ़ने के रिकॉर्ड कायम होने चाहिएं।

मतदान प्रतिशत कम रहने के कई कारण हो सकते हैं। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के पर्याप्त अवसर न होने से काफी तादाद में लोगों को अन्यत्र जाना पड़ता है। लोग उसी राज्य के किसी कस्बे, बड़े शहर या दूसरे राज्य में रोजी-रोटी के अवसर तलाशते हैं। अगर एक परिवार के चार-पांच लोग भी 'बाहर' गए हों और वे मतदान के लिए जाना चाहें तो इस पर काफी रुपए खर्च हो जाते हैं। आने-जाने में समय भी लगता है, जिसके लिए छुट्टी मिलना मुश्किल होता है। ऐसे में आम आदमी यही सोचकर रह जाता है कि 'मेरे जाने या न जाने से कौनसी क्रांति आ जाएगी? ... मैं अपने काम-धंधे पर ध्यान दूं, जिससे मेरा घर चलेगा!' इस समस्या का काफी हद तक समाधान आरईवीएम प्रणाली से हो सकता है। जो लोग किसी कारणवश मतदान के लिए अपने गांव/शहर नहीं जा सकते, उन्हें अपने वर्तमान निवास-स्थान के आस-पास मतदान की सुविधा मिल जाए तो मतदान प्रतिशत बढ़ सकता है। निश्चित रूप से ऐसी व्यवस्था करना आसान काम नहीं है, लेकिन भारत के पास इसे संभव बनाने के लिए शक्ति और सामर्थ्य है। कम मतदान प्रतिशत की एक और बड़ी वजह राजनेताओं से जुड़ीं जनता की आकांक्षाएं पूरी न होना भी है। आज राजस्थान में यह कहने वाले बहुत लोग मिल जाएंगे कि 'नेता के निहाल करीं हीं? आपणो कामकाज करो।' आम लोगों में यह धारणा घर करती जा रही है कि 'नेतागण हमारी समस्याओं का समाधान करने के इच्छुक नहीं हैं ... ये वोट लेकर पांच साल तक हमारी सुध भी नहीं लेंगे!' उनमें से कई लोग राष्ट्रीय स्तर के राजनेताओं की तारीफ करते मिल जाते हैं, लेकिन वे स्थानीय नेताओं/उम्मीदवारों, सरकारी तंत्र के कामकाज से असंतुष्ट रहते हैं। ऐसे कुछ मतदाता 'नोटा' बटन भी दबा आते हैं, लेकिन धीरे-धीरे उन्हें महसूस हो रहा है कि यह (बटन) कोई बेहतर समाधान लेकर नहीं आ रहा है। हर राजनीतिक दल के शीर्ष नेतृत्व को चाहिए कि वह अपने नेताओं/कार्यकर्ताओं को क्षेत्र में सक्रिय रखे। लोगों के मन में यह धारणा पैदा नहीं होनी चाहिए कि नेता उनकी परवाह नहीं करते। जनता-जनार्दन की उपेक्षा कर कोई भी दल/व्यक्ति राजनीति में ज्यादा दिनों तक नहीं टिक सकता।

ट्वीटर टॉक

गैस और नल से जल देने के साथ-साथ मैंने गरीबों को मुफ्त राशन दिया। तिजोरी खाली कर दी, लेकिन मैंने पक्का किया कि गरीब के घर में चूल्हा जलता रहना चाहिए, गरीब का बच्चा भूखा नहीं सोने दिया। आज मैं फिर गारंटी दे रहा हूं कि आने वाले 5 साल मुफ्त राशन मिलता रहेगा।

-नरेन्द्र मोदी

कोटा में चिकित्सा समुदाय से संवाद करते हुए कोरोना के दौरान मानवता की सेवा के प्रति किए गए कार्यों के लिए उनका अभिनंदन किया। मानव सेवा कार्यों को और गति देने के लिए भाजपा को आशीर्वाद प्रदान कर नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाएं।

-ओम बिरला

आज जसोल स्थित सुविख्यात माता राणी भटियाणी मंदिर में शोभायमान माजीसा की विधिवत मंत्रोच्चार के साथ पावन दर्शन पूजन किया तथा सभी प्रदेशवासियों के जीवन में सुख-समृद्धि की कामना की। पूज्य माजीसा का शुभाशीष हम सभी पर सदैव बना रहे।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

आत्मा की ज्योति

एक बार महर्षि याज्ञवल्क्य और जनक बैठे सत्संग कर रहे थे। जनक जी ने जिज्ञासा व्यक्त की, 'महर्षि हम किसकी ज्योति से देखने की सामर्थ्य प्राप्त करते हैं?' महर्षि याज्ञवल्क्य ने उत्तर दिया, 'सूर्य की ज्योति से।' जनक जी ने पूछा, 'जब सूर्य अस्त हो जाता है तो हमें प्रकाश कहां से प्राप्त होता है?' उत्तर मिला, 'चन्द्रमा से।' उन्होंने फिर पूछा, 'अमावस्या की घनी रात में यदि हम वन में भटक जाएं तो कौन प्रकाश का काम देता है?' महर्षि ने कहा, 'तब शब्दों द्वारा हमारा रास्ता प्रकाशमान होता है। दूर खड़ा दूसरा व्यक्ति कहता है भटको नहीं, मेरी आवाज़ को माध्यम बनाकर इधर आ जाओ।' अब जनक जी का अंतिम प्रश्न था, 'महर्षि यदि सूर्य, चन्द्रमा तथा शब्दों का भी अभाव हो, तो हमारा मार्ग प्रशस्त करने को कौन प्रकाश का रूप लेता है?' महर्षि याज्ञवल्क्य ने उत्तर दिया, 'आत्मा की ज्योति सर्वोपरि है। जनक जी, हमारी आत्मा सदैव सच्चा रास्ता दिखाने को तत्पर रहती है। आत्मा जैसी अनूठी ज्योति किसी और तत्व में नहीं है।' जनक जी की जिज्ञासा का समाधान हो गया।

विश्व पुस्तक दिवस विशेष | सामयिक

सबसे अच्छी दोस्त की पहचान ही नहीं

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'
मोबाइल : 7379100261

हर वर्ष 23 अप्रैल की तारीख विश्व पुस्तक दिवस को समर्पित होती है। सन 1995 में पेरिस में 'यूनेस्को' के अधिकारियों द्वारा इसकी घोषणा की गई थी। यह मूलत: ज्ञान-विज्ञान की संवाहक के रूप में पुस्तक की महत्ता का रेखांकन है। प्रत्येक भूभाग और समाज के लिए यह स्वागत योग्य है। अपने देश की स्थिति पर गौर करें, तो नवें दशक के पूर्वार्द्ध तक किताबें ज्ञान और मनोरंजन के क्षेत्र में अपना दखल रखती थीं। इसके पहले तो यह भी लोकमान्यता थी कि पुस्तक विहीन घर चरित्रहीन घर जैसा होता है। यानी पुस्तकें जीवन में एक ऊंचा मयार रखती थीं। मगर इधर के वर्षों में जो रीडरशिप सर्वे हुए, उससे यह तथ्य उभर कर सामने आया कि पुस्तकों के प्रति जनरुचि निरन्तर घटती जा रही है। बढ़ती साक्षरता दर के बीच कम होता अध्ययनशीलता का सम्बोध एक चौंकाने वाला विपर्यय है, किन्तु यही सच्चाई है।

पश्चिमी देशों में तो हालात और पहले से खराब होने लगे थे। वहाँ नवें दशक तक आते-आते युवावर्ग के व्यवहार में कई एक नकारात्मक परिवर्तन दिखने लगे थे। फलत: शिक्षाविदों और समाजशास्त्रियों के दबाव में इसे केंद्र में रखकर कई सर्वेक्षण हुए, जिससे पता चला कि नई पीढ़ी में किताब पढ़ने की आदत एकदम कम हो गई थी। ज्ञान और मनोरंजन के क्षेत्र में इलेक्ट्रानिक मीडिया बढ़त बना चुके थे। इसलिए उनके व्यावहारिक जीवन में संवेदना, आत्मनियंत्रण और धैर्य का स्तर काफी कम हो गया था।

वैसे इलेक्ट्रानिक माध्यम की महत्ता से एकदम इंकार नहीं किया जा सकता है, मगर इनकी एक सीमा है। यह विषय के बहिरंग से तो अच्छी तरह परिचित करा सकते हैं, लेकिन अंतरंग का दर्शन कराने में उतने ही कमजोर हैं। इसके विपरीत किताबें हैं, जिनकी पैनी निगाह से जीवन का कोई भी रंग या आयाम अदृश्य नहीं रह पाता है। मनोविज्ञानवेत्ताओं का स्पष्ट मत है कि पुस्तकें सिर्फ ज्ञान और मनोरंजन का ही साधन नहीं हैं, बल्कि यह दिमाग चुस्त-दुरुस्त रखने का श्रेष्ठ माध्यम हैं। यह व्यक्तित्व लचीला बनाती हैं और जीने के नए-नए तरीके सिखाती हैं। जब हम एक अच्छी पुस्तक पढ़ते हैं, तो यह हमारे लिए नए विचारों, संभावनाओं और संस्कृतियों का ज्ञान अर्जित करने का मार्ग खोल देती हैं।

सर्वेक्षणों से यह निष्कर्ष भी निकला था कि जो किशोर साहित्य नहीं पढ़ते, कम्प्यूटर खेलों और छोटे पर्दे को घूरते हुए अपना समय निकाल देते हैं; वह संवेदना, सौंदर्यबोध और कल्पना के मामले में कमजोर होते हैं। दृश्य माध्यम की एक खामी यह भी है कि यह सोच और व्यवहार के सामूहिक पक्ष को खारिज करके व्यक्तिवादी पक्ष को प्रबलित करता है। नई पीढ़ी में सामाजिकता और सामाजिक मूल्यों के प्रति घटती आस्था तथा व्यक्तिगत हित के लिए कुछ भी कर गुजरने की प्रवृत्ति इसी की देन है। एक तरफ युवावर्ग में मूल्यों का संकट बढ़ रहा था तो दूसरी ओर पुस्तकों के अस्तित्व पर कतरे के बादल मंडरा रहे थे। इस बात से चिन्तित स्पेन की सरकार ने किताबों के पक्ष में सकारात्मक माहौल बनाने की दृष्टि से यूनेस्को' को एक प्रस्ताव भेजा था। इसके पूर्व अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक संघ' भी पुस्तकों के घटते जनाधार को सँभालने के लिए यूनेस्को को आगे लाने का प्रयास कर चुका था। परिणामत: विचार-विमर्श के पश्चात शेक्सपियर और स्पेन के लोकप्रिय लेखक मीगुयेल डी सर्वेन्टाइन की पुण्यतिथि 23 अप्रैल को प्रतिवर्ष 'विश्व पुस्तक दिवस' के रूप में मनाने का फैसला लिया गया था।

अध्ययनशीलता का विकास बचपन में होता है। बाज़ारवाद के इस दौर में बचपन का अर्थ कैरियर की 'साधना' में सिमट गया है। इस विषय में अभिभावकों की मानसिकता सनक का रूप ले चुकी है। बच्चों को विद्यालय, अभिभावक और ट्यूटरों के दबाव में अनचाहे उबाऊ पाठ्य पुस्तकों से जूझना पड़ रहा है। यह स्थिति बच्चों में पुस्तकों के प्रति वितृष्णा पैदा कर देती है और वह स्वभाविक पाठक नहीं बन पाते। यही वह अल्फा पीढ़ी' है, जो टीवी, मोबाइल, कम्प्यूटर, इंटरनेट की दीवानी हो रही है। देश में गत पुस्तक दिवसों पर बुक स्टालों पर कुछ खास हलचल नहीं दिखी थी। फ्रेंड्स डे, वैलेंटाइन्स डे जैसे मौकों पर युवावर्ग में जो उत्साह और प्राविजन स्टोरों पर जैसी खरीददारी दिखती है, उसका दशांश भी पुस्तक दिवस को समर्पित हो जाए तो क्या कहने ! युवावर्ग पुस्तकों से दूर हुआ है तो इसके दुष्परिणाम भी खूब दृष्टिगोचर होने लगे हैं। किशोरों और युवाओं में हिंसा, आक्रोश, आक्रामकता, अवमानना, कामुकता जैसी प्रवृतियों की हैरत अंगेज स्तर पर वृद्धि हुई है।

ऐसा नहीं कि दृश्य माध्यम सिर्फ नकारात्मकता ही सामने ले आ हैं। काफी कुछ सकारात्मक भी इसके जारी सामने आ रहा है। मगर यह जीवन से जुड़ नहीं पा रहा है। मूलत: यह शब्द और चित्र प्रकल्प की प्रभान्वितिजन्य विषमता है। चित्र अपनी चमक-दमक और गतिशीलता से आकर्षित करते हैं, जबकि शब्द हमारे मन में उतरते हैं। एक पाठक शब्द दर शब्द आगे बढ़ते हुए वर्ण्य विषय का मन में एक बिम्ब निर्मित करता है। इससे विषय के साथ उसका गहरा तादात्म और संवाद होता है। पाठक और पठित सामग्री की यह एकात्मकता संस्कार निर्माण की नींव है। विद्वान विचारकों का अभिमत है कि जीवन में आस्था, विश्वास और मूल्यों की स्थापना की सशक्त स्रोत पुस्तकें ही हैं और यही रहेंगी। इसका विकल्प कोई अन्य माध्यम नहीं बन सकता। प्राचीन विचारकों ने तो यहाँ तक कहा है कि पुस्तक जहां रखी होती है, वह स्थान विचारों, सिद्धांतों और अवधारणाओं का संगम होता है। हमारी दिमागी क्षमता के लिए पुस्तकें प्रोटीन का काम करती हैं। संभवत: इसीलिए कहा गया है कि पुस्तकें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। इस दृष्टि से हमारी दिनचर्या में किताबों की वापसी हमारी प्राथमिकता बनानी चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सूचना क्रांति के इस दौर और इलेक्ट्रानिक माध्यम की चकाचौंध के बीच भी शब्दों की महत्ता न घटी है और न घटेगी। क्योंकि शब्द ही हैं जो हमें जहां हम हैं, उससे आगे निकलने की राह दिखाते हैं। इसी आधार पर भारतीय मनीषा शब्द को ब्रह्म कहकर समादृत करती आई है। शब्दों की इसी महत्ता को रेखांकित करके किताबों को पुन: जनाधार देने का उपक्रम है-'विश्व पुस्तक दिवस' ! मगर इस उद्घोषणा का महत्व तभी होगा, जब देश के पुस्तक बाज़ार में इसको लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया दिखेगी।

पुस्तकों के प्रति घटती जनरुची के संदर्भ में अक्सर उसकी कीमत को दोष दिया जाता है। लेकिन तीन-चार हजार का जूता खरीदने वालों को चार-पाँच सौ रुपये की किताबें क्यों मंहगी लगती हैं, यह समझ से परे की बात है। वास्तव में मामला मंहगाई का नहीं, प्राथमिकता का है। हम मंहगे उपहार देते हैं, उसमें एक-दो पुस्तकें क्यों नहीं शामिल की जा सकती हैं ? यह महत्वपूर्ण आयोजन तब तक अर्थहीन है, जब तक हम पुस्तकों की तरफ नहीं लौटेंगे। अगर हम संकल्प लें कि रोज कुछ न कुछ पढ़ना है त इससे बच्चे और किशोर भी प्रेरित होंगे।

एक बार यह सिलसिला चल निकलने की देर है, फिर किताबें अपना पुराना जनाधार प्राप्त कर लेंगी और इसी के साथ कई प्रकार के मनो-सामाजिक द्वन्द्व और उससे पैदा होने वाली समस्याओं में कमी आनी शुरू हो जाएगी।

विश्व पुस्तक दिवस विशेष | नजरिया

ई-पुस्तकों तक पहुंच आसान, पर पढ़ने का सुकून मुद्रित पुस्तकों से

डॉ. प्रितम भि. गेडाम
मोबाइल : 82374 17041

ई-पुस्तकें और मुद्रित पुस्तकों के बीच चयन आखिर हमारा व्यक्तिगत निर्णय है। लेकिन जब हम वैश्विक तौर पर पाठकों की पसंद देखते हैं तब पता चलता है कि, मुद्रित पुस्तकें दुनिया भर के शौकीन पाठकों के दिलों में एक बहुत ही विशेष स्थान रखती हैं। जबकि ई-पुस्तकों का अलग लाभ हैं, अब पाठकों को इन दोनों के संभावित खूबियों/कमियों के प्रति जागरूक रहकर अपनी मांग अनुसार, एक संतुलन बनाना चाहिए जो उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं और पढ़ने की प्राथमिकताओं के लिए सबसे उत्तम हो।

विश्व ज्ञान, आत्मीय शांति, योग्य मार्गदर्शन, समय का सदुपयोग, प्रेरणा, प्रोत्साहन, मददगार, समस्याओं का हल, नवचेतना, नवनिर्मिति, जागरूकता, अद्यतन, बेहतर साथी, सफलता, गुरु, सलाहकार जैसे अनेक मूल्यवान गुणों का सार होती है पुस्तकें। आज के आधुनिक युग में यांत्रिक संसाधनों ने दुनिया भर तक हमारी पहुंच आसान कर दी है। हर ओर जानकारी और सूचना की बाढ़ आ गई है। पुस्तकों को ज्ञान का मुख्य स्त्रोत कहा जाता है, जीवन में सफल होने के लिए किताबों का बेहतर साथ आवश्यक होता है। पुस्तकें मनुष्य के जीवन के आरंभ से अंत तक निस्वार्थ साथ देते हुए पथ-प्रदर्शक की भूमिका में होते है। किताबों से दोस्ती करने वाला इंसान हमेशा खुश और ज्ञानी बना रहता है, जिससे जीवन में मुश्किलें कम होती है। इंटरनेट के द्वारा पुस्तकें बस एक क्लिक पर मौजूद है, जब चाहे तब कहीं पर भी, कभी भी हम ई-पुस्तकें पढ़ सकते हैं, संग्रहीत कर सकते है। हर साल 23 अप्रैल को पुस्तकों के महत्व को समझकर पाठ्य संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विश्व पुस्तक व प्रकाशनाधिकार दिवस दुनिया भर में मनाया जाता है। इस वर्ष 2024 की थीम रीड योर वे है, यह थीम पढ़ने के प्रति प्रेम को बढ़ावा देने में चयन और आनंद के महत्व पर जोर देती है। जीवन में पुस्तकों का स्थान अतुलनीय है, एक अच्छी पुस्तक सौ दोस्तों के बराबर होती है। जिसने किताबों के महत्व को जान लिया है, वह जीवन में कभी असफल नहीं हो सकता। पुस्तकों के सहयोग से हम जीवन में विश्व के हर क्षेत्र का सर्वोत्तम स्थान प्राप्त कर सकते हैं।

किताबें पढ़ने की आदत मनुष्य के जीवन को लगातार विकसित करता हैं। मस्तिष्क तेज होकर स्वयं विचार कर कुछ नया ज्ञान खोजने की शक्ति मिलती हैं। पढ़ते रहने से हम अधिक होशियार होते जाते है। लिखने का कौशल, भाषा कौशल सुधरता है, फोकस और एकाग्रता बढ़ती है, हम जीवन में अंधेरे से उजाले की ओर बढ़ते हैं, हम अपने समय का सही इस्तेमाल कर पाते हैं, नयी जानकारी और ज्ञान मिलता है, पढ़ने से तनाव कम होता है, हमेशा हम अद्यावत और जागरूक बने रहते है और पढ़ने से अच्छी नींद आती हैं। भूलने की बीमारी से काफी हद तक दूर रहते हैं।

डिजिटलीकरण के कारण हर कोई अपनी मांग और सुविधा अनुसार पुस्तकों को ऑनलाइन पढ़ सकता है, ऑनलाइन के द्वारा हम दुनिया से हर समय जुड़े रहते हैं। पाठकों की रुचि अनुसार, दुनियाभर के विषयों की पुस्तकें उपलब्ध हैं। बहुत से प्रकाशक, कंपनी, शैक्षणिक संस्थान, पेशेवर, ईबुक विक्रेता, सरकारी पोर्टल अपनी वेबसाइट पर डिजिटल स्वरूप में पुस्तक अपलोड करते हैं, ताकि पाठकों तक ई-पुस्तकें पहुंच सकें। पढ़ने का समय बचाने के लिए ऑडियो बुक्स भी डिजिटल मार्केट में उपलब्ध हैं।

ई-पुस्तकें बहुत आसानी से उपलब्ध हैं, लेकिन वे कागजी पुस्तकों का स्थान नहीं ले सकतें। बहुत से लोग ऑनलाइन पुस्तकें तो डाउनलोड करते है, लेकिन उसे पूरा पढ़नेवाले बहुत कम होते हैं। यह ई-पुस्तकें हमें पढ़ने के लिए कागजी पुस्तकों की तरह प्रेरित नहीं करती, बल्कि बहुत बार बोझिल महसूस होती हैं। कागजी पुस्तकों की भांति ई-पुस्तकों से लगाव या प्रेरणा की कमी लगती हैं, इनसे हम भावनिक रूप से जुड़ नहीं पाते। कागजी पुस्तकें पाठ्य संस्कृति को बढ़ावा देने में मुख्य सहायक है। ई-पुस्तकों में हम अधिकतर सिर्फ सीमित सूचनाओं को पढ़कर फिर भूल जाते हैं, जबकि कागजी पुस्तकों में पढ़ते वक्त विषय की गहराई में जाकर समस्या का हल ढूंढते हैं, पूरी किताब पढ़ते हैं, जिससे पुस्तक का पूरा ज्ञान हमें हमेशा याद रहता हैं और यही पुस्तक का उद्देश्य होता है कि उसके ज्ञान का पूरा फायदा पाठकों तक पहुचें। जबकि अधिकतर पाठकों द्वारा ई-पुस्तकों में केवल काम निकालने लायक ही जानकारी खोजी जाती हैं। कागजी पुस्तकें पेड़ कटवाते हैं, लेकिन ई-पुस्तकें भी बिजली खर्च करवाकर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते है, तकनीकी खराबी भी एक समस्या है, और ऊपर से मोबाइल, कंप्यूटर, लैपटॉप का ई-कचरा पर्यावरण के लिए पहले से ही घातक स्तर पर पहुंच चूका हैं।

जिसे पढ़ना आता हैं, चाहे वह निर्धन ही क्यों न हो, वह कही पर भी पुस्तकें पढ़ सकता है, सार्वजनिक पुस्तकालयों में जा सकता हैं, वहां की पुस्तकें पढ़ सकता है। परन्तु ई-पुस्तकें पढ़ने के लिए विशेष यांत्रिक संसाधन और कौशल की आवश्यकता होती है, जिसके लिए आर्थिक खर्च और कुछ प्रशिक्षण की जरुरत होती हैं, जैसे :- कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल, बिजली, इंटरनेट और तकनिकी कौशल। जबकि कागजी पुस्तकों में यह चीजें आवश्यक नहीं। कक्षाओं में विद्यार्थियों को कागजी पुस्तकों से पढ़ाना आसान होता हैं जबकि ई-पुस्तक से पढ़ाने के लिए प्रोजेक्टर का खर्च वहन करना पढता हैं।

पुस्तकों का ज्ञान आत्मसात करने के लिए पढ़ते वक्त ध्यान और नजर पुस्तक पर एकाग्र करनी होती हैं, परन्तु इलेक्ट्रॉनिक साधनों की स्क्रीन पर लगातार ध्यान केंद्रित करना कुछ समय पश्चात तनाव, सिरदर्द, दृष्टिदोष का कारण हो सकता हैं, क्योंकि कंप्यूटर की स्क्रीन आँखों की रोशनी को प्रभावित करती हैं। ई-पुस्तक की आसानी से उपलब्धता, समय की बचत, आसान संग्रहण होने के बावजूद पुस्तक का मुख्य उद्देश्य पुस्तकों में मौजूद पूरा ज्ञान पाठकों द्वारा आत्मसात करना यह कागजी पुस्तकों के मुकाबले ई-पुस्तक में पूर्णता नजर नहीं आता। संकटमय काल में या थोड़े समय के लिए ऑनलाइन अध्ययन वरदान हैं, लेकिन दीर्घ काल में यह शारीरिक और मानसिक समस्या निर्माण कर सकता हैं। यांत्रिक साधनों के लगातार बढ़ते उपयोग से हम उन संसाधनों पर आश्रित होने लगे हैं, अब तो हमें अपनों के मोबाइल नंबर तक याद नहीं रहते। इससे हमारी सोचने-समझने की शक्ति-याददाश्त कमजोर हो रही है, यह आधुनिकता का बहुत बड़ा दोष है। आज तक किसी भी शोध या सर्वेक्षण में मुद्रित किताबें पढ़ने से होने वाली कोई समस्या या नुकसान सामने नहीं आया है, लेकिन कोरोना के समय में ऑनलाइन अध्ययन द्वारा कई शारीरिक और मनोवैज्ञानिक समस्याएं सामने आई हैं।

ई-पुस्तकें और मुद्रित पुस्तकों के बीच चयन आखिर हमारा व्यक्तिगत निर्णय है। लेकिन जब हम वैश्विक तौर पर पाठकों की पसंद देखते हैं तब पता चलता है कि, मुद्रित पुस्तकें दुनिया भर के शौकीन पाठकों के दिलों में एक बहुत ही विशेष स्थान रखती हैं। जबकि ई-पुस्तकों का अलग लाभ हैं, अब पाठकों को इन दोनों के संभावित खूबियों/कमियों के प्रति जागरूक रहकर अपनी मांग अनुसार, एक संतुलन बनाना चाहिए जो उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं और पढ़ने की प्राथमिकताओं के लिए सबसे उत्तम हो।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चुनावी जनसभा

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा रविवार को छत्तीसगढ़ के बालोद में एक चुनावी जनसभा में।

नेपाल: हिमस्खलन के कारण बीरेंद्र झील में उफान, एहतियाती उपाय किये गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काठमांडू। माउंट मनास्लू की ढलानों से रविवार सुबह एक बड़ा हिमस्खलन हुआ, जो उत्तरी नेपाल में चोटी के नीचे स्थित बीरेंद्र झील में गिरा, जिससे झील उफान पर आ गई।

अधिकारियों ने बताया कि इसमें किसी तरह की क्षति या किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, क्योंकि यह स्थल मानव बस्ती से दूर स्थित है। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता नारायण प्रसाद भट्टाराई ने कहा कि हालांकि, इसके चलते नदी के जलस्तर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय ने नदी के निचले इलाकों के आसपास रहने वाले निवासियों को एहतियाती नोटिस जारी किये हैं और गोरखा में बुढ़ी गंडकी नदी के आसपास रहने वाले लोगों को बढ़ते जल प्रवाह के संभावित खतरों के कारण सतर्क रहने की चेतावनी भी जारी की है। भट्टाराई ने कहा कि बाढ़ से काफी नुकसान हो सकता है और इस संभावना के बीच, हमने प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से समय पर एहतियाती उपाय करने की अपील की है।

महावीर जयंती

हैदराबाद में केंद्रीय पर्यटन मंत्री और तेलंगाना भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने शनिवार को महावीर जयंती समारोह में भाग लिया।

बजरंगी भाईजान और राउड़ी राठौर का बनेगा सीक्वल!

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान की सुपरहिट फिल्म बजरंगी भाईजान और खिलाड़ी कुमार अक्षय की सुपरहिट फिल्म राउड़ी राठौर का सीक्वल बन सकता है। सलमान खान के बहनोई और अभिनेता आयुष शर्मा की फिल्म रुसलान के निर्माता केके राधामोहन ने बताया है कि सलमान और अक्षय की फिल्मों का वह सीक्वल बनाने वाले हैं, जिनकी स्क्रिप्ट का काम पूरा हो गया है। केके राधामोहन ने बताया है कि वह सलमान खान की फिल्म बजरंगी भाईजान और अक्षय कुमार की फिल्म राउड़ी राठौर का सीक्वल बनाने वाले हैं।उन्होंने बताया– लेखक विजयेंद्र प्रसाद ने मेरे लिए दो फिल्मों की कहानी को लिखा है, जिसमें एक राउड़ी राठौर 2 है और एक बजरंगी भाईजान 2 है। राउड़ी राठौर की स्टारकास्ट को लेकर विचार चल रहा है, जबकि बजरंगी भाईजान की स्क्रिप्ट अभी सलमान खान को सुनना बाकी है। इसके बाद देखा जाएगा कि क्या होता है।

पृथ्वी दिवस

फिलीपींस के क्यूज़ोन शहर में पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम में पुनर्नवीनीकरण सामग्री से बनी पोशाक पहने एक महिला भाग लेती हुई।

जेएनयू में 'मुफ्तखोरों' की समस्या है : कुलपति पंडित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की कुलपति शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित ने कहा है कि जेएनयू मुफ्त के भोजन-आवास की सुविधा भोगने वालों का सामना कर रहा है और यह स्थिति निर्धारित अवधि से अधिक समय तक ठहरने वाले विद्यार्थियों एवं अवैध रूप से रहने वाले अतिथियों की वजह से उत्पन्न हो रही है। पंडित ने संसद मार्ग स्थित 'पीटीआई-भाषा' के मुख्यालय में संपादकों को दिए साक्षात्कार में कहा कि उन्होंने छात्रावास प्रशासन को सख्त निर्देश जारी किए हैं कि किसी भी विद्यार्थी को पांच साल से अधिक समय तक छात्रावास में रहने की अनुमति न दी जाये। करदाताओं के पैसों पर विश्वविद्यालय परिसर में मुफ्तखोरों के रहने-खाने के आरोपों पर पूछे गये एक सवाल के जवाब में पंडित ने कहा, आप बिल्कुल सही (कह रहे) हैं, हमारे यहां 'मुफ्तखोरों' की समस्या है।

जेएनयू से पढ़ाई कर चुकी पंडित (61) ने कहा कि यह समस्या तब भी थी जब वह छात्रा थीं, लेकिन अब यह और बढ़ गई है। उन्होंने कहा, जब मैं वहां थी, तो कई ऐसे छात्र थे जो विश्वविद्यालय में रुके हुए थे, लेकिन ऐसे छात्रों की संख्या बहुत कम थी...कुछ छात्र...सब कुछ मुफ्त और सब्सिडी वाला चाहते हैं...यहां तक कि लोकसभा कैंटीन भी जेएनयू कैंटीन से महंगी है, लेकिन हमारे समय में शिक्षक बहुत सख्त होते थे। पंडित ने कहा, मेरे शोध का निरीक्षण करने वाले प्रोफेसर ने मुझसे कहा था कि यदि आप इसे साढ़े चार साल में पूरा नहीं करेंगी, तो आप बाहर हो जाएंगी। मैं जानती थी कि वह मेरी 'फेलोशिप एक्सटेंशन' पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे... मुझे लगता है कि पिछले कुछ वर्षों में इसमें बदलाव आया है। कुछ प्रोफेसर ने इस तरह के विस्तार की अनुमति दी और इस तरह आज यह संख्या बढ़ गई है। उन्होंने कहा, कैंपस में ऐसे भी अतिथि हैं जो अवैध रूप से रह रहे हैं, जो जेएनयू के छात्र भी नहीं हैं, लेकिन यहां आते हैं और रहते हैं। वे या तो यूपीएससी या अन्य परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं... उनके लिए, जेएनयू रहने की सबसे सस्ती जगह है... दक्षिण पश्चिम दिल्ली में आपको हरियाली वाला, दो हजार एकड़ में फैला हुआ, ढाबों और सस्ते भोजन के साथ ऐसा आवास कहां मिल सकता है। इस मुद्दे के समाधान के लिए उनके प्रशासन द्वारा उठाए जा रहे कदमों पर पंडित ने कहा, अब हम इसे काफी हद तक नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे हैं...हमारे लिए कमरों में जाना बहुत मुश्किल है... हम अभी भी मानदंडों का पालन करते हुए ऐसा करते हैं। हम विद्यार्थियों से अपील करते हैं यदि वे कोई अतिथि ला रहे हैं तो कम से कम सूचित करें। उन्होंने कहा, हमने छात्रावास प्रशासन पर भी सख्ती कर दी है कि वह किसी भी छात्र को पांच साल से अधिक न रहने दे। हम अब आईडी कार्ड अनिवार्य कर रहे हैं... हम विद्यार्थियों से कहते हैं कि वे हर समय आईडी कार्ड अपने साथ रखें और मांगे जाने पर उन्हें दिखाएं। जेएनयू ने 2019 में छात्रावास में रह रहे विद्यार्थियों से 2.79 करोड़ रुपये से अधिक की बकाया राशि की एक सूची जारी की थी, जिससे विभिन्न हलकों में हंगामा मच गया था। विश्वविद्यालय में 2019 में भी उस वक्त बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुआ था, जब उसने शुल्क वृद्धि की थी।

मालदीव की संसद के लिए मतदान शुरू, भारत और चीन की करीबी नजर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

माले। मालदीव में संसदीय चुनाव के लिए रविवार को मतदान शुरू हो गया। इसके अस्थायी परिणाम देर रात तक घोषित किए जाने की संभावना है। यह चुनाव देश के मौजूदा राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्ज़ू के लिए बहुत महत्वपूर्ण है जिनकी नीतियों पर मालदीव में प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहे भारत और चीन की नजर रहती है।

मालदीव हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जगह पर स्थित है। ऐसे में भारत और चीन मालदीव में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश करते रहे हैं। मुइज्ज़ू के राष्ट्रपति बनने के बाद भारत और चीन के बीच प्रतिद्वंद्विता बढ़ गई। मुइज्ज़ू ने चीन समर्थक रुख अपनाया और देश के एक द्वीप पर तैनात भारतीय सैनिकों को हटाने का काम किया। राष्ट्रपति के लिए संसद में बहुमत हासिल करना कठिन होगा क्योंकि उनके कुछ सहयोगी अलग हो गए हैं तथा अधिक संख्या में दल चुनावी दौड़ में शामिल हो गए हैं। छह राजनीतिक दलों और स्वतंत्र समूहों ने संसद की 93 सीट के लिए 368 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। जनसंख्या वृद्धि संबंधी समायोजन के बाद ये पिछली संसद की तुलना में छह सीट अधिक हैं। लगभग 2,84,000 लोग मतदान करने के पात्र हैं और अस्थायी परिणाम रविवार देर रात घोषित होने की संभावना है।

राष्ट्रपति पद के लिए मुइज्ज़ू का चुनाव अभियान 'भारत को बाहर करो' थीम पर आधारित था, जिसमें उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति पर भारत को बहुत अधिक महत्व देकर राष्ट्रीय संप्रभुता से समझौता करने का आरोप लगाया था।

मालदीव में कम से कम 75 भारतीय सैन्यकर्मी तैनात थे और वे भारत द्वारा दान किए गए दो विमानों का संचालन करने के साथ ही समुद्र में फंसे या आपदाओं का सामना करने वाले लोगों के बचाव कार्य में सहयोग करते थे।

भारत और मालदीव के बीच रिश्ते तब और तनावपूर्ण हो गए जब अनेक भारतीय लोगों ने सोशल मीडिया पर मालदीव पर्यटन का बहिष्कार करने का अभियान शुरू कर दिया।

दरअसल मालदीव के तीन उपमंत्रियों ने लक्षद्वीप में पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विचार को लेकर उनके बारे में अपमानजनक बयान दिए थे, जिसके जवाब में भारत में मालदीव पर्यटन के बहिष्कार का मुहिम चली। मालदीव सरकार के हालिया आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय पर्यटकों की संख्या में गिरावट आई है। मुइज्ज़ू ने इस साल की शुरुआत में चीन का दौरा किया था और चीन से आने वाली पर्यटकों तथा उड़ानों की संख्या में वृद्धि पर बातचीत की थी। मालदीव 2013 में चीन की 'बेल्ट एंड रोड' पहल में शामिल हो गया था, जिसका उद्देश्य पूरे एशिया, अफ्रीका और यूरोप में व्यापार तथा चीन के प्रभाव का विस्तार करने के लिए बंदरगाहों और राजमार्गों का निर्माण करना था।

अभिनेता पंकज त्रिपाठी के बहनोई की सड़क दुर्घटना में मौत

मुंबई/एजेन्सी

धनबाद के निरसा में फिल्म अभिनेता पंकज त्रिपाठी के बहनोई और उनकी बहन एक भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गए। इसमें उनके बहनोई राकेश तिवारी की मौत हो गई। हादसे में उनकी बहन सविता तिवारी गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में दाखिल कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, मृतक राकेश तिवारी बंगाल में रेलवे में पोस्टेड थे और बिहार के गोपालगंज से अपनी पत्नी के साथ वापस बंगाल लौट रहे थे। इसी दौरान निरसा बाजार में उनकी कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। शनिवार शाम करीब 4 बजे धनबाद जिले के निरसा चौक के समीम पंकज त्रिपाठी के जीजा राजेश तिवारी की कार सड़क के डिवाइडर से टकरा गई। इसके बाद राजेश और सरिता को पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से कार से बाहर निकाला और आनन-फानन में दोनों को धनबाद मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल ले जाया गया। डॉक्टर्स ने राजेश को बचाने की पूरी कोशिश की लेकिन उनकी मौत हो गई। वहीं सरिता आईसीयू में एडमिट है। पंकज त्रिपाठी के बहनोई रेलवे कर्मचारी थे और उनकी पोस्टिंग चितरंजन स्टेशन में थी।

यह भीषण हादसा निरसा एनएच पर हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही पंकज त्रिपाठी फ्लाइट से कोलकाता पहुंच गए हैं। इसके बाद, कोलकाता एयरपोर्ट से वे सड़क मार्ग से होते हुए धनबाद के लिए रवाना हो गए। पंकज त्रिपाठी बिहार के गोपालगंज के रहने वाले हैं। उन्होंने काफी संघर्ष के बाद बॉलीवुड में अपनी खास जगह बनाई है। उनकी गिनती हिंदी सिनेमा के बेहतरीन एक्टरों में होती है।

पुन: प्रदर्शन में विजय-तृषा की फिल्म ने रजनीकांत को छोड़ा पीछे

मुंबई/एजेन्सी

लोकसभा चुनाव 2024 के कारण अप्रैल में तमिल बॉक्स ऑफिस पर कोई बड़ी फिल्म रिलीज नहीं हो रही है। लेकिन बॉक्स ऑफिस पर ऑडियंस का क्रेज बनाए रखने के लिए मेकर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स ने तमिल सुपर सितारे थलापति की 20 साल पुरानी फिल्म गिली को प्रदर्शित किया है। इस फिल्म में उनके साथ तृषा कृष्णन हैं। इस फिल्म को न सिर्फ तमिल बल्कि अन्य भाषाओं में दुनियाभर में रिलीज किया गया है। यह फिल्म 20 अप्रैल को रिलीज हुई और पहले ही दिन प्री-सेल्स में लगभग 8 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया।

'गिली' ने तमिलनाडु में 4.25 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। जबकि कर्नाटक में 30 लाख और

बाकी भारत में 20 लाख। इस तरह फिल्म ने भारत में कुल 4.75 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। 'गिली' ने तमिल बॉक्स ऑफिस पर इस साल रिलीज हुई 'लाल सलाम' और 'अयालान' को भी पछाड़ दिया है। 'गिली' कनाडा, मलेशिय, फ्रांस, यूरोप और अन्य देशो में कुल तीन करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। इस फिल्म ने कुल 7.75 करोड़ रुपए पहले ही दिन कमा लिए। ट्रेड एनालिस्ट्स का मानना है कि फिल्म और अच्छा परफॉर्म करेगी। थलापति विजय और तृषा दोनों ही स्टार कलाकार हैं। तृषा कृष्णन और थलापति विजय ने बीते साल रिलीज हुई 'लियो' में साथ काम किया था। फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। खास बात है कि 'गिली' ने 17 अप्रैल को अपने 20 साल पूरे किए। यह फिल्म साल 2004 में रिलीज हुई थी, उस समय में भी फिल्म ने रिकॉर्ड तोड़ 50 करोड़ रुपए की कमाई की थी। दोबारा रिलीज ने बॉक्स ऑफिस पर तूफान मचा दिया है। दिलचस्प बात यह है कि 'गिली' तेलुगु सुपरस्टार महेश बाबू की हिट फिल्म 'ओक्काडु' की रीमेक है। तमिल फिल्म सिनेमाघरों में 200 दिनों तक चली और 2004 में ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई की थी।

'वेलकम टू द जंगल' हुई दो स्टार्स की एंट्री!

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की आने वाली मल्टी स्टारर फिल्म में अब दो अन्य स्टार्स की भी एंट्री हो गयी है। 'वेलकम' और 'वेलकम 2' की सफलता के बाद अहमद खान के निर्देशन में बन रही फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का जब क टाइटल ट्रैक वीडियो शेयर किया गया था, उसमें अक्षय कुमार, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी, रवीना टंडन, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडिस, परेश रावल, अरशद वारसी, जॉनी लीवर, कृष्णा अभिषेक और राजपाल यादव समेत कई स्टार्स दिखाई दिए थे। कहा जा रहा है कि इस फिल्म में जैकी श्रॉफ और आफताब शिवदासानी की भी एंट्री हो गयी है।इस फिल्म की आधी से ज्यादा शूटिंग मुंबई में ही पूरी की जाएगी।

बेस इंडस्ट्रीज ग्रुप द्वारा प्रस्तुत 'वेलकम टू द जंगल' फिरोज ए. नाडियाडवाला द्वारा निर्मित और अहमद खान द्वारा निर्देशित है। यह फिल्म इस साल के अंत में 20 दिसंबर को क्रिसमस सप्ताह के दौरान रिलीज हो सकती है।

कालबेलिया लोक नृत्यांगना गुलाबो सपेरा को 'सुपरस्टार सिंगर 3' में मिला सम्मान

मुंबई/एजेन्सी

बच्चों के गायन रियलिटी शो 'सुपरस्टार सिंगर 3' के नवीनतम एपिसोड में कालबेलिया लोक नर्तकी और पद्म श्री गुलाबो सपेरा को सम्मानित किया गया। 'श्रीमती स्पेशल' एपिसोड में विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया।

इन महिलाओं में गुलाबो सपेरा, निर्मला पापड़ वाली और भारतीय नौसेना की अनुभवी कमांडर प्रभा लाल समेत अन्य शामिल हैं। 'दो और दो प्यार' की स्टार कास्ट विद्या बालन और प्रतीक गांधी को भी शो में खास मेहमान के तौर देखा गया। हावड़ा के राजदीप घोष ने अपनी टीम के कप्तान पवनदीप राजन के साथ फिल्म 'सफर' के गीत 'जिंदगी का सफर' के प्रदर्शन से सभी का दिल

जीत लिया। राजस्थान के एक खानाबदोश परिवार में जन्मी गुलाबो सपेरा तमाम बाधाओं को पार करते हुए एक सनसनीखेज लोक नर्तकी के रूप में उभरी और देश का गौरव बन गईं। उनकी जीवन यात्रा सुनकर सुपर जज नेहा कक्कड़ बहुत प्रभावित हुईं।

भावुक नेहा कक्कड़ ने कहा, गुलाबो की कहानी सुनने के बाद हम सभी प्रभावित हैं और उनके प्रयासों के लिए उनकी सराहना करना चाहते हैं।

ये परफॉर्मेंस गुलाबो की कहानी से मिलती-जुलती लगी। जब पवनदीप राजन ने गाना शुरू किया तो मैंने अपना पूरा ध्यान इस भावपूर्ण प्रस्तुति के प्रत्येक शब्द पर लगा दिया।'' नेहा ने आगे कहा, आपके पास एक सरल व्यक्तित्व और एक स्थायी आवाज है, जो आपके प्रदर्शन में झलकती है। इसका दिल से सीधा संबंध है। भगवान आपका भला करें। और राजदीप, आप गाने को जीते हो; यह एक दिल छू लेने वाला प्रदर्शन था।

कैप्टन मोहम्मद दानिश ने कहा, ''मैं प्रार्थना कर रहा था कि प्रदर्शन जारी रहे और खत्म न हो, सेट पर माहौल काफी शांत है, यह पवन दा और राजदीप के प्रदर्शन का जादू है। कुल मिलाकर यह एक शानदार प्रदर्शन था और राजदीप भाई, आपकी गायकी को सलाम। इसे जारी रखो।'' 'सुपरस्टार सिंगर 3' शनिवार और रविवार को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

'कल्कि 2898 एडी' के नये पोस्टर में अमिताभ बच्चन का लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन की आने वाली फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के नये पोस्टर में उनका लुक रिलीज हो गया है। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित सायंस फिक्शन महाकाव्य फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। पिछले साल अमिताभ बच्चन के जन्मदिन पर जब उनका पहला लुक पोस्टर सामने आया था। तब से प्रशंसकों को फिल्म में अमिताभ के लुक और चरित्र के बारे में अधिक जानकारी का बेसब्री से इंतजार है। उत्साह को बढ़ाते हुए 'कल्कि 2898 एडी' का नया पोस्टर रिलीज किया गया है।नया पोस्टर आज हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम सहित विभिन्न भाषाओं में साझा किया गया है। सफ़ेद पोशाक पहने, अमिताभ

बच्चन को एक मंदिर के अंदर रहस्यमय ढंग से बैठे और प्रकाश की चमकदार किरण की ओर देखते हुए देखा जा सकता है। पोस्टर पर लिखा है, समय आ गया है। नागअश्विन द्वारा निर्देशित और वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित 'कल्कि 2898 एडी' बहुभाषी फिल्म है।

प्रेरणा सिंह ने बताया, 'मीठा खट्टा प्यार हमारा' का किरदार 'सजीरी' क्यों है उनके दिल के करीब?

मुंबई/एजेन्सी

अपकमिंग शो 'मीठा खट्टा प्यार हमारा' में 'सजीरी' का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस प्रेरणा सिंह ने अपनी भूमिका के बारे में खुलकर बात की है। शो में अविनाश मिश्रा और आर्ची सचदेवा भी हैं। पुणे की पृष्ठभूमि पर आधारित इस शो में सजीरी (प्रेरणा द्वारा अभिनीत) नाम की एक लड़की की कहानी दिखाई गई है, जो आसानी से दोस्त बन जाती है, भरोसेमंद है और उसे हमेशा फॉर ग्रांटेड लिया जाता है। प्रेरणा ने शो के बारे में कहा कि मीठा खट्टा प्यार हमारा' शो का हिस्सा बनने के लिए आभारी होने के साथ-साथ मैं उत्साहित भी हूं। उन्होंने कहा कि सजीरी की भूमिका के लिए मैंने शो के निर्माताओं से संपर्क किया। मैंने सोचा कि इसे आजमाना उचित है क्योंकि सजीरी और प्रेरणा में समान गुण हैं। एक किरदार के रूप में सजीरी दर्शकों को पसंद आएगी, दर्शकों को उसकी मासूमियत देखने को मिलेगी और वह हर स्थिति को मुस्कुराहट के साथ संभाल लेती हैं। प्रेरणा ने कहा कि मुझे सजीरी का किरदार निभाने में मजा आ रहा है। सजीरी मेरे दिल के बहुत करीब है।

यह शो सजीरी और शिवम की पेचीदगियों और समीकरणों पर भी केंद्रित है और दिखाएगा कि जब वह खाना बनाती है तो सजीरी का आत्मविश्वास कैसे जीवंत हो जाता है, क्योंकि वह भविष्य में शेफ बनने की उम्मीद करती है। 'मीठा खट्टा प्यार हमारा' का प्रीमियर 24 अप्रैल को शाम 6.30 बजे स्टार प्लस पर होगा।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के गांधीनगर स्थित फ्रीडम पार्क कुंडलपुर नगरी में स्थानीय जैन युवा संगठन के तत्वावधान में भगवान महावीर स्वामी का 2623वां जन्मकल्याणक धूमधाम से मनाया गया। सबसे पहले टाउन हॉल से अहिंसा रैली निकाली गई। अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर भगवान महावीर के सिद्धांतों पर आधारित झांकियों से बनी अहिंसा रैली को रवाना किया।

विश्व कल्याण व शांति के लिए प्रभु महावीर के सिद्धांत अति महत्वपूर्ण : संतश्री राजपद्मसागर

समस्त जैन समाज के साथ जैन युवा संगठन ने मनाया प्रभु महावीर का 2623वां जन्मकल्याणक महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर स्थित फ्रीडम पार्क (कुंडलपुर नगरी) में स्थानीय जैन युवा संगठन के तत्वावधान में भगवान महावीर स्वामी का 2623वां जन्मकल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। सबसे पहले टाउन हॉल से हर वर्ष की भांति अहिंसा रैली निकाली गई। अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर भगवान महावीर के सिद्धांतों पर आधारित झांकियों से बनी अहिंसा रैली को रवाना किया। यह रैली जैन समाज के हजारों लोगों के साथ टाउन हॉल से एसपी रोड, नगरथपेट, एवेन्यू रोड, आदिनाथ जैन मंदिर चिकपेट, बीवीके अय्यंगार रोड, हॉस्पिटल रोड, मैसूर बैंक सर्कल, शेषाद्रि रोड होते हुए कुंडलपुर नगरी में धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। वरघोड़े (धार्मिक जुलूस)में प्रभु महावीर के सिद्धातों पर आधारित नशा मुक्ति, अहिंसा प्रचार, जीवदया, जिनशासन प्रचार, मानवसेवा आदि विषयों पर अनेक सभा संस्थाओं ने कुल 17 झांकियां निकालीं तथा अहिंसा का प्रचार किया। वरघोड़े में बड़ी संख्या में पुरुष व महिला श्रद्धालु उपस्थित थे।

निश्रादाता साधु साध्वियों के मंगलाचरण से शुरू हुआ जन्मकल्याण समारोह

फ्रीडम पार्क में आयोजित धर्मसभा का शुभारंभ बेंगलूरु में विराजित संतश्री बोधिप्रभ विजयजी, राज पद्मसागरजी, मलय प्रभसागरजी, साध्वीश्री मणिप्रभाजी, विपुलदर्शनाश्रीजी, सुप्रभाश्रीजी, अरिहंतप्रभाजी, आगमश्रीजी, स्वर्णान्जनाश्रीजी, उदितयशाजी आदि साधु साध्वियों के मंगलाचरण से हुआ। संगठन के सभी पदाधिकारियों ने पूरे विधिविधान के साथ जैन ध्वज का ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के बाद जेवाईएस के गीत का गान कर जैन धर्म से संबी जयघोष किए गए। इस मौके पर कार्यक्रम स्थल पर विराजित भगवान महावीर की मंगल मूर्ति का सदस्यों ने जलाभिषेक कर आकर्षक श्रृंगार किया।

इस समारोह में अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद लहरसिंह सिरोया, बेंगलूरु सेन्ट्रल लोकसभा क्षेत्र के सांसद पी सी मोहन, कर्नाटक के स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव, चिकपेट के विधायक उदय गरुड़ाचार्य, चिकपेट आदिनाथ जैन संघ के अध्यक्ष गौतम सोलंकी, जैन कॉन्फ्रेन्स के कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष पुखराज मेहता, तेरापंथ सभा गांधीनगर के अध्यक्ष कमल दुगड़ सहित वर्धमान प्रसादी के लाभार्थी इन्ट्रा लाइफ के राकेश पुनमिया अपने परिवारजन सहित मंचासीन थे।

प्रभु महावीर के सिद्धांतों का पालन करना चाहिए : सांसद पी सी मोहन

संतों की आज्ञा से प्रारंभ कार्यक्रम में सबसे पहले जैन युवा संगठन के अध्यक्ष अध्यक्ष महेन्द्र बागरेचा ने अपने उद्बोधन में सभी उपस्थित साधु साध्वियों, श्रावक, श्राविकाओं का स्वागत करते हुए सभी को महावीर जन्म कल्याणक की शुभकामनाएं दीं। संगठन के मंत्री मदन मुणोत ने संगठन के कार्यों की विस्तार से जानकारी दी तथा कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। मुणोत ने संगठन की स्थापना से लेकर अब तक के कार्यों की जानकारी दी। जैन युवा संगठन सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश धोका ने ट्रस्ट द्वारा चलाई जा रही जीवन संजीवनी, जीवन शिक्षा व जीवन सुरक्षा योजनाओं की जानकारी दी। धोका ने इन योजनाओं में समाज द्वारा सहयोग देने के तरीके बताए।

प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेता, विधायक दिनेश गुंडूराव ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे देश में अनेक धर्म और महापुरुष हुए हैं जिनमें प्रभु महावीर जैन धर्म के युग पुरुष हैं। उनका इस धरा पर, अर्थात भारत में जन्म लेना हम सभी के लिए गर्व का विषय है। हमारे देश में अनेकता में एकता है। अनेक धर्म होते हुए भी हम सभी अपने अपने धर्मों का पालन करते हैं। आज जैन धर्म के सिद्धांत अनेक समस्याओं का समाधान हैं। सांसद लहरसिंह सिरोया ने कहा कि विश्व में अनेक देशों में हिंसा व युद्ध का माहौल है, अशांति फैली हुई है ऐसे माहौल में भी प्रभु महावीर के सिद्धांतों पर चल कर ही विश्व का कल्याण हो सकता है। हजारों वर्ष बीत जाने के बाद भी प्रभु महावीर के सिद्धांत बहुत प्रासंगिक हैं। सिरोया ने लोकसभा चुनाव में सभी से हर हाल में मतदान करने की अपील की।

वर्धमान प्रसादी के लाभार्थी व अतिथियों का किया गया सम्मान

कार्यक्रम में दौरान राज्यसभा सांसद लहरसिंह सिरोया, सांसद पी सी मोहन, विभिन्न अतिथियों के साथ मिलकर संगठन के अध्यक्ष महेन्द्र बागरेचा, मंत्री मदन मुणोत, उपाध्यक्ष महावीर मुणोत, सहमंत्री विशाल गुगलिया, कोषाध्यक्ष मुकेश सुराणा सहित अनेक सदस्यों ने वर्धमान प्रसादी के लाभार्थी राकेश हिमांशु पुनमिया परिवार का सम्मान किया। इसके साथ ही सांसदद्वय सहित सभी अतिथियों व अन्य विशेष लाभार्थियों का भी सम्मान संगठन के सदस्यों द्वारा किया गया। इस मौके पर सेवा ट्रस्ट की विभिन्न योजनाओं में भामाशाह के रूप में जुड़े लक्ष्मीचन्द भंडारी(टांईसा)- डॉ अरिहंत भंडारी परिवार, हनुमानमल संजयकुमार बैद, मनोहरलाल विमलकुमार कटारिया, गिरधारीलाल बाबूलाल लुंकड़, संघवी मकुलाबेन घेवरचन्द साकरिया परिवार का भी सम्मान किया गया।

जन्मकल्याणक पर दें प्रभु महावीर को एकता का उपहार : मलयप्रभसागर

महावीर जन्मकल्याणक समारोह में सान्निध्यता प्रदान करने आए जैन संत राजपद्मसागरजी ने कहा कि प्रभु के जन्म के समय सम्पूर्ण विश्व के जीवों के जीवन में सुख की अनुभूति होती है। प्रभु का हर कल्याणक मानव के लिए कल्याणकारी व मंगलकारी है। हमें प्रभु महावीर के प्रवचनों, सिद्धांतों को अपने दिल में बैठाना है।

संतश्री ने कहा कि जिस प्रकार आग को बुझाने के लिए पानी की जरूरत होती है ठीक उसी प्रकार विश्व कल्याण व शांति के लिए प्रभु महावीर की वाणी की आवश्यकता है। संतश्री ने महावीर शब्द का अर्थ बताते हुए कहा कि म अक्षर का मतलब है मानव बनो, हा अक्षर का अर्थ है जीवन में हिम्मत रखो, वी अक्षर का अर्थ है वचन को निभाओ और र अक्षर का अर्थ है रहम करो। जो व्यक्ति इन अक्षरों से बने शब्द महावीर के अर्थ में प्रभु महावीर को अपने जीवन में धारण करता है, उसके लिए महावीर जन्मकल्याणक मनाना सार्थक है।

उन्होंने कहा कि इस संसार में धर्म अनेक हैं और सभी धर्मों के रास्ते व पद्धति अलग अलग हैं परन्तु प्रभु प्राप्ति का लक्ष्य सबका एक है।

वीतराग, तीर्थंकर की अनुपस्थिति में संत वृंद ही प्रभु महावीर के प्रतिनिधि हैं। इस मौके पर उपस्थित संतश्री मलयप्रभ सागरजी ने कहा कि प्रभु महावीर के जीवन में आध्यात्मिकता के साथ साथ व्यवहारिकता भी है। ज्ञान के स्वामी हैं प्रभु महावीर। आज विश्व में चल रहे आतंकी हमलों व युद्ध को समाप्त करने के लिए महावीर के उपदेश पर चलना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हम किसी के जन्मदिन पर जाते हैं तब हम उसे जन्मदिन का कुछ उपहार देते हैं, वैसे ही इस महावीर जन्मकल्याणक पर हमें भी प्रभु महावीर को आपसी एकता, महावीर के सिद्धांतों का अधिक से अधिक प्रचार व धर्म में युवा वर्ग का विशेष लगाव का उपहार देना चाहिए। संतश्री आदित्यप्रभविजयजी ने कहा कि प्रभु महावीर के जीवन से हमें पहली यह शिक्षा लेनी चाहिए कि कभी भी उपकारी के उपकार को नहीं भूलना चाहिए और दूसरी, किसी पर कोई उपकार करो तो उसको कभी याद न रखें।

वर्तमान समय में पुनः प्रभु वर्धमान की आवश्यकता है

कार्यक्रम में निश्रा प्रदान कर रही साध्वीश्री उदितयशाजी ने कहा कि इस भौतिकता के कोलाहल में आध्यात्मिकता का जयनाद करने वाले वीर प्रभु महावीर को फिर से आना ही होगा। उन्होंने कहा कि आज की सभी समस्याओं का निवारण केवल प्रभु महावीर के सिद्धांतों में छिपा है।

साध्वी आगमश्रीजी ने कहा कि कल्याणक मनाने के लिए भगवान के आदर्शों को हमें अपने जीवन में अपनाना होगा। साध्वी मणिप्रभाजी ने कहा कि प्रभु महावीर की वाणी अमृततुल्य थी, उनका आचरण वंदनीय था। प्रभु महावीर सहजता, सरलता व समता के त्रिवेणी संगम थे। वर्तमान समय में वर्धमान की नितांत आवश्यकता है। साध्वी सुप्रभाजी ने कहा कि हृदय में प्रभु महावीर को विराजमान करना है। जिह्वा पर तो हम सभी प्रभु महावीर को रोज धारण करते हैं परन्तु जिस दिन हमने प्रभु महावीर को जीवन में धारण कर लिया, उस दिन हमारा कल्याण हो जाएगा। कार्यक्रम के अंत में सभी साधु साध्वियों ने सामूहिक रूप से महामांगलिक प्रदान कर सभी उपस्थित जनों को आशीर्वाद दिया।

मानव सेवा के विभिन्न स्टालों पर दिखा उत्साह

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पुरुष व महिला श्रद्धालु शामिल हुए। पवन मांडोत व दिलीप संचेती ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि इस वर्ष अहिंसा रैली में कुल 17 झांकियां शामिल हुईं। हाई ड्रीम टूटोरियल की झांकी को प्रथम, चामराजपेट स्थानकवासी श्रावक संघ को द्वितीय तथा सत्यबहू मंडल अक्कीपेट की झांकी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम के अंत में सहमंत्री विशाल गुगलिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया। फ्रीडम पार्क में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विभिन्न सभा संस्थाओं ने अनेक मानवसेवी कार्यों, स्वास्थ्य, शिक्षा, साहित्य, सहयोग, रक्तदान, विभिन्न जांच, गौसेवा संबंधी सेवाओं के स्टाल लगाए तथा खाद्य व पेय सामग्री वितरण स्टाल पर सेवाएं प्रदान कीं।

तहसील कार्यालय में मनाया भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। श्रमण भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समारोह तहसीलदार कार्यालय में मनाया गया।

तहसीलदार केआर पाटिल ने महावीर जन्मकल्याणक की बधाई देते हुए भगवान महावीर के जीयो और जीने दो सिद्धांत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान महावीर सदैव अहिंसा के समर्थक थे। जैन यूथ फेडरेशन के अध्यक्ष महेंद्र सिंघी ने प्रभु महावीर के जीवन चरित्रक्ष पर प्रकाश डाला ।

उन्होंने प्रभु महावीर की मूल शिक्षाओं अहिंसा, सत्य, अस्तेय (चोरी न करना), ब्रह्मचर्य (शुद्धता), अपरिग्रह के बारे में बताया। इस मौके पर मरुधर संघ के अध्यक्ष जयंतीलाल जैन, ट्रस्टी पारसमल भंसाली, दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष राजेंद्र बिलगी, उपाध्यक्ष विमल तालिकोटी, स्थानकवासी समाज के अध्यक्ष उकचंद बाफना, कार्याध्यक्ष गौतम भुरट, महामंत्री प्रकाश कटारिया, कोषाध्यक्ष कांतिलाल बोहरा, महावीर लिंब सेंटर चेयरमैन गौतम गोलेछा आदि अनेक जैन समाज के लोग उपस्थित थे।

महावीर जन्मकल्याणक मनाया, मतदान के लिए आयोजित की जागरुकता रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के महावीर जिनालय में प्रभु महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मैसूरु जीतो चैप्टर ने भी इस आयोजन में सहयोग दिया। सबसे पहले भगवान महावीर स्वामीजी की पक्षाल पूजा के साथ श्री सुमतिनाथ महिला मंडल के सदस्याओं ने महावीर जन्मकल्याणक पूजा पढाई। पूजा के बाद आई हॉस्पिटल से शोभायात्रा निकाली गई। बाद में अस्पताल में अतिथियों द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस मौके पर मैसूरु जीतो द्वारा लोकसभा चुनाव में वोट देने की अपील के लिए वाहन में जागरुकता रैली निकाली गई । जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी गण एवं जीतो चैप्टर के पदाधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर वाहन को रवाना किया। वाहन ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में घूमकर वोट के लिए निवेदन किया। इस मौके पर जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष कांतिलाल चौहान, उपाध्यक्ष वसंत जैन, सचिव प्रवीण जैन, खजांची पारसमल जैन, सहसचिव घेवरचंद जैन, ट्रस्टी देवीचंद जैन, डॉ मदनलाल जैन, फूटरमल जैन, जयंतीलाल जैन, कांतिलाल जैन, हंसराज जैन सहित बड़ी संख्या में विभिन्न सभा संस्था के पदाधिकारी उपस्थित थे। जैन चैरिटेबल ट्रस्ट एवं मैसूरु जीतो चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में मनाए गए महोत्सव में जीतो द्वारा लड्डू की प्रभावना दी गयी।

कलबुर्गी में महावीर जन्मकल्याणक की शोभायात्रा में उमड़े श्रद्धालु

कलबुर्गी/दक्षिण भारत। शहर के पार्श्वनाथ जैन संघ में तत्वावधान में आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में तीर्थकर भगवान महावीर के जन्मकल्याणक के दिवस पर विराट रथयात्रा एवं धर्मसभा का आयोजन किया गया। धर्मसभा में आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि भगवान महावीर भारत वर्ष के ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के अस्मिता के केन्द्र है। जो दूसरों के भले की सोचता है उसकी भले की स्वयं भगवान चिंता करते है। जीवन में हमेशा दूसरों के लिए अच्छा व हितकारी सोचना चाहिए। जीवन में कभी भी नकारात्मकता को धारण नहीं करना चाहिए अपितु सकारात्मकता का दामन ही थामे रखना चाहिए। भगवान महावीर की सबसे बड़ी शिक्षा है कि हमें दूसरों के लिए उपयोगी बनना चाहिए। धन कमाने के ज्यादा उसकी उपयोगिता उसके दान व उपयोग में है। आचार्यश्री ने कहा कि भगवान महावीर हमेशा दूसरों के लिए जीते रहे हमें भी प्रभु का अनुसरण करते हुए अपने साधर्मिकों के लिए उत्थान के लिए जीवन जीना चाहिए।

ओवैसी ने मुस्लिम महिलाओं के लिए आरक्षण की मांग की

किशनगंज। ऑल इंडिया मज्लिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को संसद में अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व को रेखांकित करते हुए मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने की वकालत की। हैदराबाद के सांसद ओवैसी ने बिहार की एकमात्र मुस्लिम बहुल लोकसभा सीट किशनगंज में एक रैली को संबोधित करते हुए यह बात कही। एआईएमआईएम ने बिहार इकाई के प्रमुख और विधायक अख्तरुल ईमान चुनावी को इस सीट से उम्मीदवार बनाया है। दिवंगत नेता हुमेरा अजीज का जिक्र करते हुए ओवैसी ने कहा, ''भाजपा-आरएसएस ने एआईएमआईएम पर राजनीति में महिलाओं की भागीदारी के खिलाफ होने का झूठा आरोप लगाया है। 2004 की शुरुआत में, हमने सिकंदराबाद में एक महिला उम्मीदवार को चुनावी मैदान में उतारा था।''

उन्होंने कहा, ''हमारा कहना है कि आजादी के बाद से देश में 17 लोकसभा चुनाव हुए हैं लेकिन सांसद बनने वाली मुस्लिम महिलाओं की संख्या सिर्फ 20 रही है, तो फिर मुस्लिम महिलाओं के लिए आरक्षण क्यों नहीं।'' ओवैसी ने नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा लाए गए नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर लोकसभा में एक संशोधन पेश किए जाने को याद करते हुए कहा कहा, ''लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मुझसे कहा कि आप एक संशोधन लाना चाहते हैं।

फ्रांस की यात्रा पर रवाना हुए सीडीएस जनरल चौहान

नयी दिल्ली। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान द्विपक्षीय रक्षा और रणनीतिक संबंधों को और विस्तार देने के लिए रविवार को फ्रांस की यात्रा पर रवाना हुए।

जनरल चौहान का दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच सैन्य सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर फ्रांस के वरिष्ठ प्रशासनिक और सैन्य नेतृत्व के साथ व्यापक बातचीत करने का कार्यक्रम है। हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन की सैन्य आक्रामकता के मद्देनजर भारत और फ्रांस के बीच रक्षा एवं रणनीतिक संबंध महत्वपूर्ण हैं। रक्षा मंत्रालय ने सीडीएस की यात्रा की अवधि का उल्लेख किए बिना कहा, इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच मजबूत रक्षा संबंधों को और मजबूत करना है, जिसमें पिछले कुछ वर्षों में काफी तेजी आयी है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com